नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मानदंडों पर आधारित हिंदी पाठ्यपुस्तक

सरस्वती सरगम

हिंदी पाठमाला

5

लेखिकाएँ

गीता बुद्धिराजा

एम०ए०, बी०एड्०

डॉ० जयश्री अय्यंगार

एम०ए०, एम०फिल० (हिंदी)

(एन०सी०ई०आर०टी०, डी०एस०ई०आर०टी० द्वारा पुरस्कृत)

न्यू सरस्वती हाउस (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड

नई दिल्ली-110002 (इंडिया)

NEW SARASWATI HOUSE

Head Office : Second Floor, MGM Tower, 19 Ansari Road, Daryaganj, New Delhi–110 002 (India)
Registered Office : A-27, 2nd Floor, Mohan Co-operative Industrial Estate, New Delhi–110 044

Phone : +91-11-4355 6600
Fax : +91-11-4355 6688
E-mail : delhi@saraswatihouse.com
Website : www.saraswatihouse.com
CIN : U22110DL2013PTC262320
Import-Export Licence No. 0513086293

Branches:

• Ahmedabad: Ph. 079-2657 5018 • Bengaluru: Ph. 080-2675 6396
• Chennai: Ph. 044-2841 6531 • Dehradun: Ph. +91-98374 52852
• Guwahati: Ph. 0361-2457 198 • Hyderabad: Ph. 040-4261 5566 • Jaipur: Ph. 0141-4006 022
• Jalandhar: Ph. 0181-4642 600, 4643 600 • Kochi: Ph. 0484-4033 369 • Kolkata: Ph. 033-4004 2314
• Lucknow: Ph. 0522-4062 517 • Mumbai: Ph. 022-2876 9871, 2873 7090
• Nagpur: Ph. +91-70661 49006 • Patna: Ph. 0612-2275 403 • Ranchi: Ph. 0651-2244 654

Revised edition 2020

ISBN: 978-93-53621-54-4

The moral rights of the author has been asserted.

© New Saraswati House (India) Private Limited

Publisher's Warranty: The Publisher warrants the customer for a period of 1 year from the date of purchase of the Book against any Printing/Binding defect or theft/loss of the book.
Terms and Conditions apply: For further details, please visit our website www.saraswatihouse.com or call us at our Customer Care (toll free) No.: +91-1800 2701 460
Jurisdiction: All disputes with respect to this publication shall be subject to the jurisdiction of the Courts, Tribunals and Forums of New Delhi, India Only.

All rights reserved under the Copyright Act. No part of this publication may be reproduced, transcribed, transmitted, stored in a retrieval system or translated into any language or computer, in any form or by any means, electronic, mechanical, magnetic, optical, chemical, manual, photocopy or otherwise without the prior permission of the copyright owner. Any person who does any unauthorised act in relation to this publication may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages.

Product Code: NSS2SRG050HINAB19CBY

This book is meant for educational and learning purposes. The author(s) of the book has/have taken all reasonable care to ensure that the contents of the book do not violate any copyright or other intellectual property rights of any person in any manner whatsoever. In the event the author(s) has/have been unable to track any source and if any copyright has been inadvertently infringed, please notify the publisher in writing for any corrective action.

PRINTED IN INDIA
By Vikas Publishing House Private Limited, Plot 20/4, Site-IV, Industrial Area Sahibabad, Ghaziabad–201 010 and published by New Saraswati House (India) Private Limited, 19 Ansari Road, Daryaganj, New Delhi–110 002 (India)

आमुख

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा से हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि बच्चों के स्कूली जीवन को बाहरी तथा व्यावहारिक जीवन से जोड़ना चाहिए। इसी सिद्धांत को ध्यान में रखकर यह पाठ्यपुस्तक तैयार की गई है। इस पुस्तक के माध्यम से स्कूल और घर की दूरी कम करने का प्रयास किया गया है। इस प्रयास में हर विषय को एक मज़बूत दीवार से घेर देने तथा रटा देने की प्रवृत्ति का प्रबल विरोध किया गया है। आशा है कि यह कदम हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति में चर्चित बाल-केंद्रित शिक्षा की दिशा में सफलता प्रदान करवाएगा।

इस उद्देश्य में तभी सफलता मिलेगी, जब सभी स्कूलों के प्राचार्य/प्राचार्या और अध्यापक/अध्यापिकाएँ बच्चों को कल्पनाशील गतिविधियों, रचनात्मक प्रश्नों, पाठ से संबंधित प्रश्नों की मदद से सीखने और अपने अनुभवों पर विचार प्रकट करने का अवसर देंगे। हमारा दृढ़ विश्वास है कि यदि बच्चों को उचित अवसर, समय और स्वतंत्रता दी जाए तो वे अपने ज्ञान, सूझ-बूझ तथा कल्पना से ऊँची उड़ान भर सकते हैं। बच्चों के सामने यदि ज्ञान की सारी सामग्री परोस दी जाए तो वे अपनी क्षमता के अनुसार उसमें से बहुत अधिक ज्ञानवर्धक चीज़ें निकाल लेते हैं। यदि बच्चों को उपदेश दिया जाए तो उन्हें अच्छा नहीं लगता। जब वे कहानी तथा कविता पढ़ते हैं या सुनते हैं, तो नैतिक तथा मानवीय-मूल्य सहजता से स्वीकार कर लेते हैं।

- पुस्तक को तैयार करते समय पाठों का चुनाव बच्चों की बौद्धिक क्षमता तथा भाषा-स्तर को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
- पाठ के आरंभ में पाठ को स्पष्ट करने वाली भूमिका दी गई है।
- पाठों में दिए गए चित्र तथा अभ्यास बच्चों को आकर्षित करेंगे तथा वे कुछ-न-कुछ संदेश भी अवश्य ग्रहण करेंगे।
- सोचिए और बताइए यह प्रश्न बच्चों के सोचने, समझने और लिखने की क्षमता को बढ़ावा देता है।
- अभ्यास बनाते समय यह ध्यान रखा गया है कि बच्चे स्वयं सोचें तथा आत्मविश्वास के साथ अपने विचारों को प्रकट कर सकें।
- बच्चे जब अपने विचारों को प्रकट करेंगे तो उन्हें नए-नए शब्दों की जानकारी होगी तथा उनका शब्द-भंडार भी बढ़ेगा।
- बच्चे और खेल दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं, इसलिए पुस्तक के बीच-बीच में बच्चों को आकर्षित करने के लिए खेल तथा खेल से संबंधित गतिविधियाँ भी दी गई हैं।
- हमारी संस्कृति, कलाओं तथा लोक-कलाओं से भरपूर है। बच्चों को अपनी संस्कृति से जोड़ने के लिए पुस्तक में उन्हें यथा स्थान दिया गया है।
- पुस्तक का निर्माण सी०बी०एस०ई० समेत विभिन्न राज्यों के शिक्षा बोर्ड्स के पाठ्यक्रम को ध्यान रखते हुए किया गया है।
- पाठ्यक्रम को तैयार करते समय अहिंदी भाषी क्षेत्रों के छात्रों का विशेष ध्यान रखा गया है।

शिक्षाविदों एवं अभिभावकों के ऐसे सुझावों का हम स्वागत करेंगे, जिससे पुस्तक के आवश्यक संशोधन में सहायता ली जा सके।

–लेखिकाएँ

विषय-सूची

- हमें पहचानो 6

1. हम कुछ करके दिखलाएँगे 7
   - मेरा पन्ना (हमारा राष्ट्रध्वज) 12
2. किरण मजुमदार शॉ (प्रेरणा स्रोत) 13
   - मेरा पन्ना (भगत सिंह) 19
3. मुल्ला का लगान 20
   - सेवा का अर्थ (अतिरिक्त पठन) 27
   - मेरा पन्ना (कहानी लेखन) 28
4. फिर क्या हुआ 29
   - अमीर खुसरो की पहेलियाँ 35
5. पुष्प की अभिलाषा 36
   - मेरा पन्ना (शब्द भंडार) 40
6. अग्नि की उड़ान 41
   - मीथेन के दुष्प्रभाव रोकने की अनूठी पहल (अतिरिक्त पठन) 49
7. स्वतंत्रता का महत्व 50
   - मेरा पन्ना (मुहावरे और लोकोक्ति) 58
8. हमारा पड़ोसी देश–नेपाल 59
   - भारत के तीर्थस्थान–रामेश्वरम (अतिरिक्त पठन) 65

9. राष्ट्रगीत 67
- मेरा पन्ना (स्वतंत्रता सेनानी) 72

10. चंदन का सुगंध फैलाता–कर्नाटक प्रदेश 73
- कर्नाटक के ज्ञानपीठ विजेता (अतिरिक्त पठन) 79

11. असम का पर्व–बिहू 81
- मेरा पन्ना (त्योहारों के नाम) 86

12. पौधे कहते 87

13. पाठशाला 92
- संतवाणी (अतिरिक्त पठन) 100
- मेरा पन्ना (दोहे) 101

14. इनसे सीखो 102
- ये भी जानें 109
- परियोजना पन्ना–1 110
- परियोजना पन्ना–2 111
- परियोजना पन्ना–3 112
- परियोजना पन्ना–4 113
- परियोजना पन्ना–5 114
- लिखो तो जानें... 115
- सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes) 116

हमें पहचानो

हम देश की शान

भूटान

श्रीलंका

मालद्वीप

बांग्लादेश

पाकिस्तान

अफ़गानिस्तान

आस्ट्रेलिया

नेपाल

अर्जेंटीना

इजिप्ट

अध्यापन-संकेत–यहाँ पर विभिन्न देशों के 'राष्ट्रध्वज' के चित्र दिए गए हैं। कौन-सा ध्वज किस देश का है, इसे पहचानने में छात्रों की मदद करें।

1 हम कुछ करके दिखलाएँगे

चिंतन-मनन

हमारे आसपास बहुत से ऐसे लोग हैं, जिन्हें खाने को नहीं मिलता, पहनने को कपड़ा नहीं है, रहने को घर नहीं है। वे अपने जीवन से निराश हैं। इस कविता के द्वारा कवि बच्चों में मानवीय गुण तथा निराश लोगों में आशा का दीपक जलाने की प्रेरणा दे रहे हैं।

है शौक यही, अरमान यही,
हम कुछ करके दिखलाएँगे।
मरने वाली दुनिया में हम,
अमरों में नाम लिखाएँगे।

जो लोग गरीब भिखारी हैं,
जिन पर न किसी की छाया है,
हम उनको गले लगाएँगे,
हम उनको सुखी बनाएँगे।

शब्दार्थ–**शौक**–रुचि (interest), **अरमान**–इच्छा (wish), **अमर**–जो कभी नहीं मरता (immortal/undying), **छाया**–परछाईं (shadow), **गले लगाना**–दोस्ती करना (friendship)

जो लोग अँधेरे घर में हैं,
अपनी ही नहीं नज़र में हैं,
हम उनके कोने-कोने में,
उद्यम का दीप जलाएँगे।

जो लोग हारकर बैठे हैं,
उम्मीद मारकर बैठे हैं,
हम उनके बुझे चेहरों में,
फिर से उत्साह जगाएँगे।

हम उन वीरों के बच्चे हैं,
जो धुन के पक्के सच्चे थे।
हम उनका मान बढ़ाएँगे,
हम जग में नाम कमाएँगे।

–रामनरेश त्रिपाठी

शब्दार्थ– **नज़र**–दृष्टि (vision), **उद्यम**–परिश्रम (hardwork), **उम्मीद**–भरोसा, आशा (hope), **उत्साह**–जोश (excitement), **वीरों**–साहसी (brave), **धुन**–लगन (diligence), **मान**–सम्मान (value), **जग**–संसार (world)

जीवन-सूत्र

- अधिक बलवान तो वे ही होते हैं जिनके पास बुद्धि-बल होता है। जिनमें केवल शारीरिक बल होता है, उन्हें वास्तविक बलवान नहीं माना जाता। *–महाभारत*
- जीवन में आपसी प्रेम और सहयोग बनाए रखें। स्वयं भी आगे बढ़ें और अपने साथियों को भी बढ़ने का अवसर दें। *–कवि प्रीत*

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

शौक दिखलाएँगे लिखाएँगे अँधेरे उद्यम उत्साह

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–

(क) कविता में कवि क्या इच्छा जता रहा है?

(ख) कविता में कवि ने किसकी बात की है?

(ग) कवि जब गरीब भिखारी को देखता है, तो क्या सोचता है?

लिखित

1. निम्नलिखित भावों को दर्शाने वाली कविता की पंक्तियाँ लिखिए–

(क) बेसहारा लोगों को अपना मित्र बनाएँगे।

(ख) हम दृढ़प्रतिज्ञ और वीर व्यक्तियों के बच्चे हैं।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) कवि अमरों में नाम लिखवाने की बात क्यों करता है?

(ख) कवि के अनुसार गरीब और भिखारी के पास किस चीज़ की कमी है?

(ग) कवि उम्मीद हार बैठे व्यक्तियों के लिए क्या करना चाहता है?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) कविता में बालक किस दीपक को जलाने की बात कर रहे हैं तथा क्यों?

(ख) कवि किसको गले लगाने की बात करता है और क्यों?

भाषा ज्ञान

1. उचित पर्यायवाची शब्दों का मिलान कीजिए–

(क) दुनिया	(*i*) निर्धन
(ख) गरीब	(*ii*) अंधकार
(ग) अँधेरा	(*iii*) जोश
(घ) उत्साह	(*iv*) आशा
(ङ) उम्मीद	(*v*) संसार

2. नीचे दिए शब्दों को ध्यान से पढ़िए–

जग – संसार, जागना

हार – हारना, गले का हार

ऊपर लिखे एक ही शब्द के दो अलग-अलग अर्थ हैं। ऐसे शब्द अनेकार्थी शब्द कहलाते हैं। इन शब्दों का इस प्रकार वाक्य में प्रयोग कीजिए कि इनके दोनों अर्थ स्पष्ट हो जाएँ–

(क) जग .....

.....

(ख) हार .....

.....

3. उचित बहुवचन शब्द पर गोला ◯ लगाइए–

(क) लोग	लोगों	लोगगण	लोग
(ख) गरीब	गरीबी	गरीबें	गरीबों
(ग) वीर	वीरों	वीरता	वीरांगना
(घ) बच्चा	बच्ची	बच्चे	बचपना
(ङ) मैं	हम	मैंने	हमारा

4. समान तुक वाले दो-दो शब्द कविता से ढूँढ़कर लिखिए–

(क) दिखलाएँगे – ....

(ख) मानकर – ....

5. निम्नलिखित शब्दों को संज्ञा के भेद के अनुसार लिखिए–

श्यामा	भिखारी	सच्चाई	अमीरी	दिल्ली	बचपन	बच्चे	दीप	यमुना

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा – ....

(ख) जातिवाचक संज्ञा – ....

(ग) भाववाचक संज्ञा – ....

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

1. इस कविता से आपने क्या शिक्षा ग्रहण की? बताइए।
2. इस कविता के बालक किनका मान बढ़ाने की बात कर रहे हैं? उनकी क्या विशेषता है?

क्रियाकलाप

1. निम्नलिखित शब्दों की सहायता से कविता बनाइए–

लाएँगे	लिखाएँगे	पढ़ाएँगे	हँसाएँगे	बढ़ाएँगे	जाएँगे

2. कुछ ऐसे समाजसेवियों के नाम बताइए जिन्होंने अपनी परवाह न करते हुए गरीब और पिछड़े लोगों की सेवा की।

गतिविधि-1

हमारा राष्ट्रध्वज

अध्यापन-संकेत–भारतीय राष्ट्रध्वज तिरंगे का चित्र चिपकवाकर उसकी चर्चा करें। तिरंगे के तीनों रंगों का अर्थ बताएँ और बीच में स्थित 'अशोक चक्र' की भी चर्चा करें।

2 किरण मज़ुमदार शॉ

(प्रेरणा स्त्रोत)

चिंतन-मनन

मनुष्य जिस चीज़ को पाना चाहता है, उसके लिए वह निरंतर प्रयास करता रहता है। यदि थककर बीच में अपना विचार न बदले तो उसे अवश्य प्राप्त कर लेता है। सदैव प्रयत्नशील रहना चाहिए।

एक समाज कितना सभ्य, सुसंस्कृत और उन्नत है, इसका अंदाज़ा उस समाज में नारी की स्थिति से लगाया जा सकता है। प्राचीन काल से ही नारी अनंत गुणों का भंडार रही है। महारानी लक्ष्मीबाई, चाँदबीबी, दुर्गावती, चेन्नमा ने नारी समाज के सामने कई आदर्श प्रस्तुत किए। स्वतंत्रता सेनानियों के कंधे-से-कंधा मिलाकर स्वतंत्रता संग्राम को सफल बनाने में अरुणा आसफ़ अली, विजयलक्ष्मी पंडित, सरोजिनी नायडू जैसी महिलाओं ने योगदान दिया।

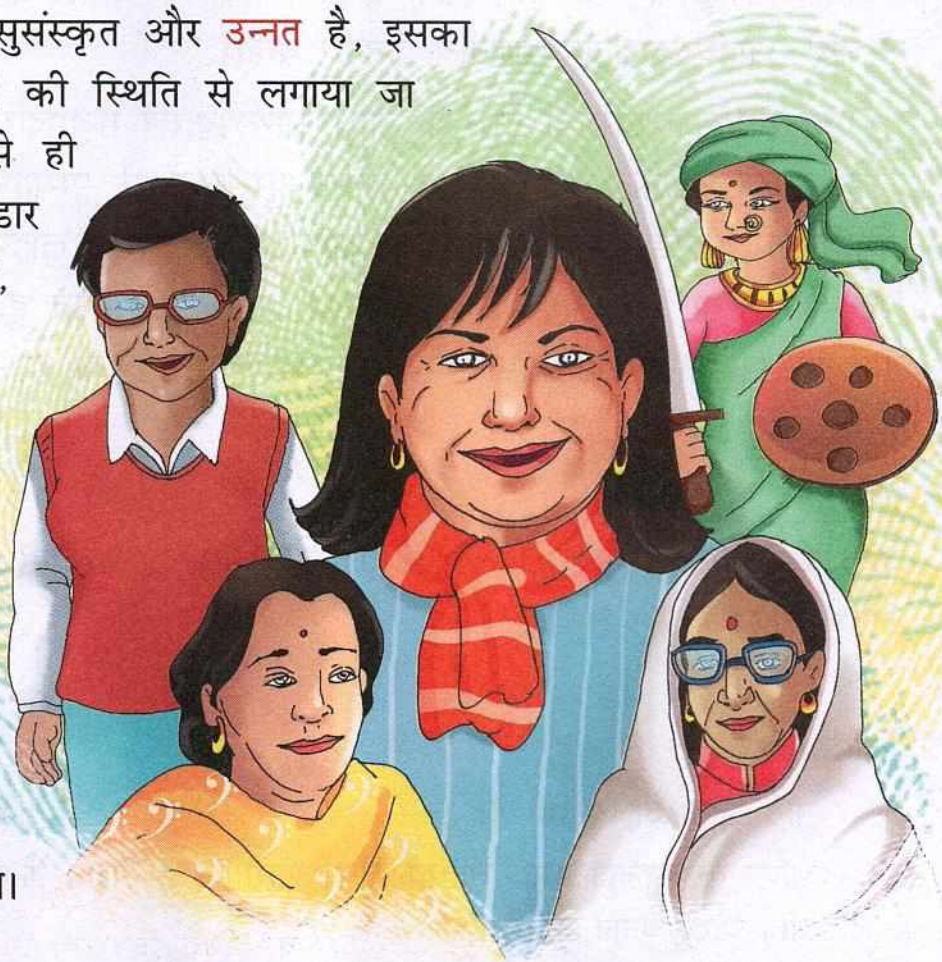

शब्दार्थ–**उन्नत**–विकसित (developed), **प्राचीन**–पुरातन (ancient), **कंधे-से-कंधा**–साथ देना (accompany)

नारी महानता की परंपरा आज भी जारी है। श्रीमती प्रतिभा पाटिल भारत की प्रथम महिला राष्ट्रपति बनीं। भारतीय पुलिस सेवा (आई०पी०एस) की अधिकारी श्रीमती किरण बेदी 'मैगसेसे पुरस्कार' से सम्मानित हुई हैं। इसके अतिरिक्त दिल्ली उच्च न्यायालय की न्यायाधीश लीला सेठ, केरल हाईकोर्ट की न्यायाधीश अन्नाचेंडी का नाम सदैव याद रहेगा। इसी प्रकार 'बायोटैक क्षेत्र' में नाम कमाने वाली भारतीय महिला श्रीमती किरण मजुमदार शॉ की सफलता की गाथा भी उल्लेखनीय है।

किरण मजुमदार का जन्म 1953 में बंगलूरू में हुआ। 1973 में प्राणी विज्ञान में स्नातक की उपाधि ग्रहण करने के बाद उच्च शिक्षा हेतु वे ऑस्ट्रेलिया गईं। वहाँ से आने के बाद उन्होंने 'बायोकॉन' नामक कंपनी की स्थापना की। 'बायो-टैक्नोलॉजी' से जुड़ी यह पहली कंपनी थी।

किरण मजुमदार का कार्य इतना सराहनीय था कि अमेरिका के अखबार 'न्यूयॉर्क टाइम्स' ने उन्हें 'आविष्कार की भारतीय जननी' कहा।

एक सफल व्यवसायी होने के साथ-साथ किरण मजुमदार सामाजिक कार्यकत्री भी हैं। उन्हें उनकी उपलब्धियों के लिए अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। 'एम०वी० मैमोरियल अवॉर्ड', भारतीय चेंबर ऑफ़ कॉमर्स से 'लाइफ़ टाइम एचीवमेंट अवॉर्ड', 'पद्मश्री' तथा 'पद्मभूषण' पुरस्कारों से भी वे सम्मानित हुई हैं। किरण मजुमदार शॉ ने देश की महिलाओं के समक्ष एक आदर्श प्रस्तुत किया है। ये आधुनिक युवा पीढ़ी की प्रेरणा स्त्रोत हैं।

शब्दार्थ–**सम्मानित**–पुरस्कृत (awarded), **सराहनीय**–प्रशंसनीय (admirable), **आविष्कार**–खोज (discover)

जीवन-सूत्र

- नारी सदैव अजेय रही है। *–महादेवी वर्मा*
- ईश्वर के पश्चात हम सर्वाधिक ऋणी नारी के हैं–प्रथम तो जीवन के लिए, पुनश्च इसको जीने योग्य बनाने के लिए। *–नोवी*
- नारी की उन्नति या अवनति पर ही देश की उन्नति या अवनति निर्धारित है। *–अरस्तू*

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

समाज	सुसंस्कृत	उन्नत	प्राचीन	स्वतंत्रता
राष्ट्रपति	उल्लेखनीय	बायोकॉन	व्यवसायी	कार्यकत्री

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–

(क) सभ्य, सुसंस्कृत और उन्नत समाज का अंदाज़ा कैसे लगाया जा सकता है?

(ख) भारत की प्रथम महिला राष्ट्रपति का नाम बताइए।

(ग) किरण मजुमदार के बारे में 'न्यूयॉर्क टाइम्स' ने क्या कहा?

लिखित

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) श्रीमती किरण बेदी ..... पुरस्कार से सम्मानित हुईं।

(ख) ..... की न्यायाधीश ..... का नाम सदैव याद रहेगा।

(ग) बायोटैक क्षेत्र में ..... का नाम प्रसिद्ध है।

(घ) किरण मजुमदार को ..... और ..... से सम्मानित किया गया।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) समाज की उन्नति का मापदंड क्या है?

(ख) नारी समाज के सामने किसने आदर्श प्रस्तुत किए?

(ग) स्वतंत्रता संग्राम को सफल बनाने में किसका योगदान है?

(घ) किरण मजुमदार का जन्म कब और कहाँ हुआ?

(ङ) किरण मजुमदार को किन-किन पुरस्कारों से सम्मानित किया गया?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) 'महान व्यक्तियों' की प्रेरणा से जीवन में कुछ करने की चाहत बनती है। कैसे?

(मूल्यपरक प्रश्न)

(ख) आपके जीवन का प्रेरणा स्रोत व्यक्ति कौन है? उसके गुणों को लिखिए।

(मूल्यपरक प्रश्न)

भाषा ज्ञान

1. दो-दो समानार्थक शब्द लिखिए–

(क) महिला – ·····नारी····· ·····ललना·····

(ख) पुरुष – ····· ·····

(ग) जननी – ····· ·····

(घ) आसमान – ····· ·····

(ङ) सागर – ····· ·····

2. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए–

(क) ऊँची इमारत को देखकर पुनीत ने दाँतों तले अँगुली दबा ली।

(ख) ऊँची इमारत को देखकर पुनीत को बहुत आश्चर्य हुआ।

ऊपर दिए गए वाक्यों में मुहावरे वाला वाक्य अधिक सुंदर और प्रभावशाली लग रहा है। इसका अर्थ यह हुआ कि मुहावरों के प्रयोग से भाषा सुंदर, प्रभावशाली तथा सजीव हो उठती है।

कुछ मुहावरे तथा उनका वाक्यों में प्रयोग देखिए–

- **नाक में दम करना** (परेशान करना) – शैतान मोहन ने अध्यापक की नाक में दम कर रखा है।
- **नानी याद आना** (मुसीबत में फँसना) – कठिन प्रश्न-पुस्तिका देखकर मुझे नानी याद आ गई।
- **पेट में चूहे दौड़ना** (बहुत भूख लगना) – आज स्कूल में खाने की छुट्टी से पहले मेरे पेट में चूहे दौड़ रहे थे।
- **आँखों का तारा** (बहुत प्यारा) – हर कोई अपनी माँ की आँखों का तारा होता है।

निम्नलिखित मुहावरों के सामने सही अर्थ विकल्पों में से छाँटकर लिखिए–

(क) कमर कसना – .....

(*i*) तैयार होना (*ii*) कमर बाँधना

(*iii*) लड़ाई करना (*iv*) शोर मचाना

(ख) नौ दो ग्यारह होना – .....

(*i*) दौड़ना (*ii*) भगाना

(*iii*) गिनती करना (*iv*) भाग जाना

(ग) कान भरना – .....

(*i*) कान में तेल डालना (*ii*) शिकायत करना

(*iii*) कान में बाली पहनना (*iv*) कान पकड़ना

(घ) दाँतों तले अँगुली दबाना – .....

(*i*) अँगुली चबाना (*ii*) घबरा जाना

(*iii*) चौंका देना (*iv*) परेशान होना

(ङ) दाल में काला होना – .....

(*i*) शक होना (*ii*) दाल जलना

(*iii*) दाल पकाना (*iv*) दाल खरीदना

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

- भारतीय पुलिस सेवा की अधिकारी श्रीमती किरण बेदी के जीवन की चर्चा कीजिए। उनकी तरह वेश-भूषा पहनकर अभिनय कीजिए।

क्रियाकलाप

- नीचे दिए गए चित्रों को देखिए, समझिए और उनके अनुसार सही मुहावरे लिखिए–

.....

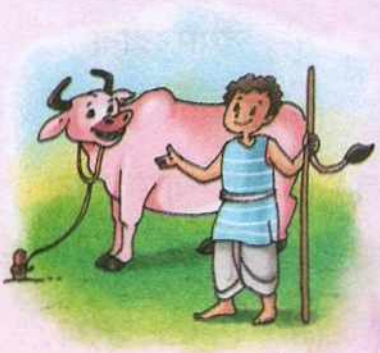

.....

.....

.....

गतिविधि-2

भगत सिंह

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

अध्यापन-संकेत– • 'हमारे प्रेरणा स्रोतों' के बारे में वर्ग में चर्चा करके बच्चों को समाज में उनके योगदान का महत्व समझाएँ। • शहीद भगत सिंह के जीवन पर चर्चा करें और उस पर कुछ पंक्तियाँ बच्चों से लिखने को कहें।

3 मुल्ला का लगान

चिंतन-मनन

बुद्धिमानी से शक्तिशाली और बड़े से बड़े व्यक्ति को भी हराया जा सकता है। ठग और धूर्त कभी मत बनो।

एक बार बादशाह ने मंत्री जी से राज्य का हिसाब-किताब माँगा। मंत्री जी ने तुरंत मौलाना साहब को बुलवा भेजा। हिसाब देखकर बादशाह कुछ नाराज़ हुए, क्योंकि आज तक मौलाना साहब ने कभी भी मुल्ला नसीरुद्दीन की फ़सल का लगान वसूल नहीं किया था। पूछने पर मौलाना ने जवाब दिया कि जब भी मुल्ला से लगान माँगा जाता है, उसके पास देने के लिए मोहरें नहीं होतीं। बादशाह ने हुक्म दिया–"जाओ, जो भी फ़सल तैयार हो, उसका आधा भाग ले आओ।"

जब मुल्ला तक यह खबर पहुँची, तो उसने सोचा कि मेहनत मैं करूँ और फ़सल का आधा भाग मौलाना ले ले–यह कहाँ का न्याय है?

थोड़े ही दिनों में मुल्ला की फ़सल तैयार हो गई, तो मौलाना मुल्ला के पास पहुँचे।

मुल्ला ने मौलाना से कहा–"बताओ, तुम

शब्दार्थ–**नाराज़**–नाखुश (upset), **लगान**–भूमिकर (tax payable on land), **हुक्म**–आदेश (order)

फ़सल का कौन-सा आधा भाग लेना चाहते हो? ज़मीन के ऊपर का भाग या ज़मीन के नीचे का भाग?''

मौलाना ज़रूरत से ज़्यादा समझदार था, इसलिए तुरंत बोला–''ज़मीन के ऊपर का भाग।''

''तो ठीक है। बादशाह से लिखित आदेश ले आओ।''

मौलाना ने बादशाह से लिखित आदेश लिखवा लिया, जिसमें साफ़-साफ़ शब्दों में लिखा था कि आपके खेत में जो फ़सल तैयार हुई है, उसका ज़मीन के ऊपर का आधा भाग इस आदमी को दे दिया जाए।

उस साल मुल्ला ने खेत में प्याज़ बोई थी। प्याज़ ज़मीन के अंदर होती है, इसलिए मौलाना को कुछ भी नहीं मिला।

अगले साल मौलाना ने फिर से बादशाह के कान भरे और लिखित आदेश ले लिया, जिसमें यह लिखा था कि आपके खेत में जो फ़सल तैयार हुई है, उसका ज़मीन के नीचे का आधा भाग इस आदमी को दे दिया जाए।

इस बार मुल्ला ने खेत में गेहूँ बोए थे। गेहूँ तो ज़मीन के ऊपर होते हैं, इसलिए इस बार भी मौलाना हाथ मलकर रह गया।

शब्दार्थ–लिखित–लिखा हुआ (written)

जीवन-सूत्र

- जिसके पास बुद्धि है वही बलवान है। *–पंचतंत्र*
- अच्छी तरह सोचना बुद्धिमानी है और अच्छी तरह काम को पूरा करना सबसे अच्छी बुद्धिमानी है। *–फ़ारसी कहावत*

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

बादशाह	नाराज़	फ़सल	मेहनत	ज़मीन
बुद्धि	खुदा	ज़रूरत	ज़्यादा	गेहूँ

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–

(क) बादशाह ने मंत्री से क्या माँगा?

(ख) बादशाह मौलाना साहब से नाराज़ क्यों हुए?

(ग) मुल्ला के पास देने के लिए क्या नहीं था?

(घ) प्याज़ कहाँ होती है?

(ङ) गेहूँ कहाँ होते हैं?

लिखित

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) मौलाना ने नसीरुद्दीन के लगान न देने का क्या कारण बताया?

(ख) बादशाह का आदेश सुनकर मुल्ला को कैसा लगा?

(ग) मुल्ला ने मौलाना से फ़सल का आधा भाग माँगने पर क्या पूछा?

(घ) क्या मौलाना को फ़सल का आधा भाग मिला? यदि नहीं, तो क्यों?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) 'युक्ति' से किसी भी बलवान व्यक्ति को हराया जा सकता है। कहानी के आधार पर लिखिए। **(मूल्यपरक प्रश्न)**

(ख) 'बुद्धि' अथवा 'अधिकार' में आप किसे श्रेष्ठ मानते हैं और क्यों?

भाषा ज्ञान

1. पढ़िए और समझिए–

मौलाना किसी भी तरकीब से लगान वसूल नहीं कर पाए, इसलिए अंत में हाथ मलकर रह गए। 'हाथ मलना' एक मुहावरा है। 'हाथ मलना' जैसे ही 'हाथ' शब्द से बने कई और मुहावरे भी हैं; जैसे–

- हाथ में न आना
- हाथ में खुजली होना
- हाथों के तोते उड़ना
- हाथों-हाथ लेना
- हथेली पर जान रखना
- चाँद हथेली पर

2. पाठ में कुछ शब्द उर्दू भाषा के आए हैं; जैसे–खबर, ज़मीन, साफ़ आदि। आपको कौन-कौन-से उर्दू शब्द पता हैं? लिखिए।

....

....

....

....

....

3. निम्नलिखित शब्दों के दो अलग-अलग अर्थ हैं, इनके अर्थ समझकर वाक्य बनाइए–

(क) भाग
- हिस्सा– 1. ……ज़मीन का आधा भाग रामू का है।……
- दौड़ना– 2. ……पुलिस को देखकर चोर भाग गया।……

(ख) कल
- बीता हुआ दिन– 1. ……
- आने वाला दिन– 2. ……

(ग) कर
- लगान– 1. ……
- कार्य करना– 2. ……

(घ) उत्तर
- जवाब– 1. ……
- एक दिशा– 2. ……

4. निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया शब्दों पर गोला ◯ लगाइए–

(क) आनंद पौधों को पानी दे रहा है।

(ख) खेत में फ़सल उग रही है।

(ग) कमरे में बल्ब जल रहा है।

(घ) माँ कपड़े धो रही है।

(ङ) दादी पलंग पर आराम कर रही हैं।

5. उचित क्रिया शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) कुणाल टी०वी० …… रहा है। (सुन/देख)

(ख) अध्यापक छात्रों को ..... रहे हैं। (सुला/पढ़ा)

(ग) कोयल आम के पेड़ पर ..... है। (सोती/बैठी)

(घ) मनीष जल्दी-जल्दी ..... रहा है। (सो/खा)

(ङ) बगीचे में फूल ..... रहे हैं। (खिल/मिल)

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

- प्याज़ ज़मीन के नीचे उगता है और गेहूँ ज़मीन के ऊपर। निम्नलिखित सब्ज़ियों में से कौन-सी सब्ज़ी ज़मीन के नीचे और कौन-सी ज़मीन के ऊपर उगती है?

सब्ज़ियाँ	ज़मीन के ऊपर/नीचे
मूली	.....
गोभी	.....
पालक	.....
आलू	.....
अदरक	.....
शलगम	.....
बैंगन	.....

क्रियाकलाप

1. मुल्ला नसीरुद्दीन के किस्से पढ़िए और उनका अभिनय कीजिए।
2. ज़मीन के नीचे उगने वाली कुछ सब्ज़ियों के नाम लिखिए तथा चित्र चिपकाइए।

....

3. नीचे दिए गए चित्र को देखिए। इस प्रकार के चित्र अखबार तथा मासिक पत्रिकाओं में छपकर आते हैं। उनका संग्रह कर अपने छोटे भाई-बहन को उनके जन्मदिवस पर भेंट दें।

अतिरिक्त पठन

सेवा का अर्थ

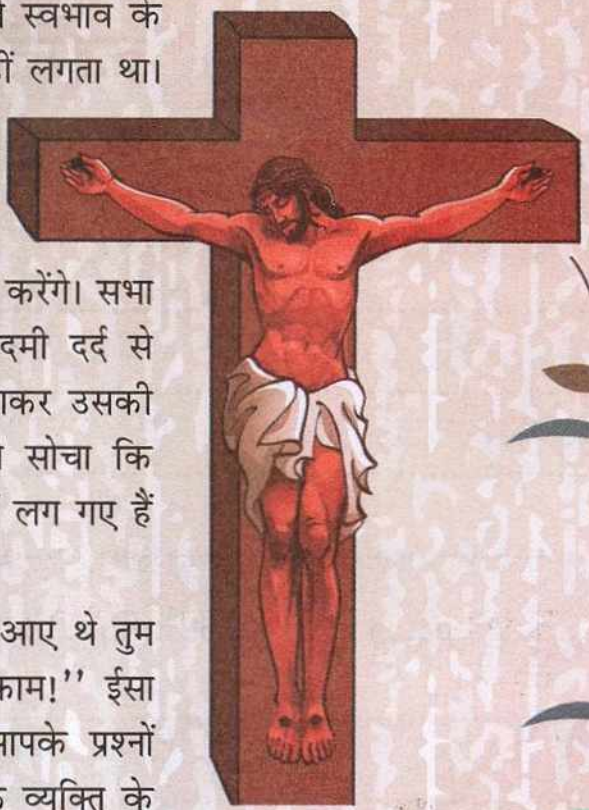

ऐसा माना जाता है कि ईसा मसीह शर्मीले स्वभाव के थे। उन्हें सभाओं आदि में जाना अच्छा नहीं लगता था। बार-बार अनुरोध करने पर वह एक सभा में जाने के लिए राजी हो गए। उन्होंने सोचा कि वहाँ वह अपने विरोधियों के प्रश्नों के उत्तर देकर उनके संदेहों को दूर करेंगे। सभा में पहुँचने पर उन्होंने देखा कि एक आदमी दर्द से कराह रहा है। ईसा मसीह उसके पास जाकर उसकी सेवा करने लग गए। उनके विरोधियों ने सोचा कि ईसा मसीह जान-बूझकर उसके उपचार में लग गए हैं ताकि सभा की कार्यवाही से बच सकें।

उनमें से एक ने व्यंग्य करते हुए कहा, "आए थे तुम शास्त्रार्थ करने, करने लगे हकीम का काम!" ईसा मसीह ने कहा, "इससे पहले कि मैं आपके प्रश्नों के उत्तर दूँ, कृपया बताइए कि अगर एक व्यक्ति के पास एक ही भेड़ हो और वही कुएँ में गिर जाए तो वह व्यक्ति क्या करेगा? सारा काम छोड़कर उस भेड़ को निकालने का प्रयास करेगा या नहीं? मेरे जीवन का मुख्य उद्देश्य है पीड़ितों और दुखियों की सेवा करना। इसे ही मैं ईश्वर सेवा समझता हूँ। ईश्वर ने मुझे इस संसार में ऐसे लोगों की सेवा के लिए भेजा है। प्रवचन, व्याख्यान और शास्त्रार्थ तो चलते ही रहेंगे। मन में किसी असहाय और दुखी के प्रति सहानुभूति नहीं है तो यह सब निरर्थक है, प्रपंच है। ये सब काम मेरे मुख्य उद्देश्य-मानव सेवा से सुदूर हैं, इसलिए मेरे लिए बेकार हैं।"

अध्यापन-संकेत–उपर्युक्त परिच्छेद में आए संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया शब्दों को रेखांकित करके उनकी सूची बनवाइए।

गतिविधि-3

कहानी लेखन

एक टोपीवाला था .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

बंदर ने टोपियाँ नीचे फेंकीं .....

.....

.....

.....

.....

.....

..... टोपीवाले की चतुराई से उसे टोपियाँ वापस मिल गईं।

अध्यापन-संकेत–कहानी का आरंभ, मध्य और अंत दिया है। छात्रों की कल्पना शक्ति को बढ़ावा देते हुए कहानी पूर्ण करने के लिए कहें। इसी प्रकार अन्य कहानी की चर्चा करें।

4 फिर क्या हुआ?

चिंतन-मनन

मन में आने वाले प्रश्नों के उत्तर जानने चाहिए लेकिन ऐसा करते समय हमें दूसरों की सुविधा को भी ध्यान में रखना चाहिए।

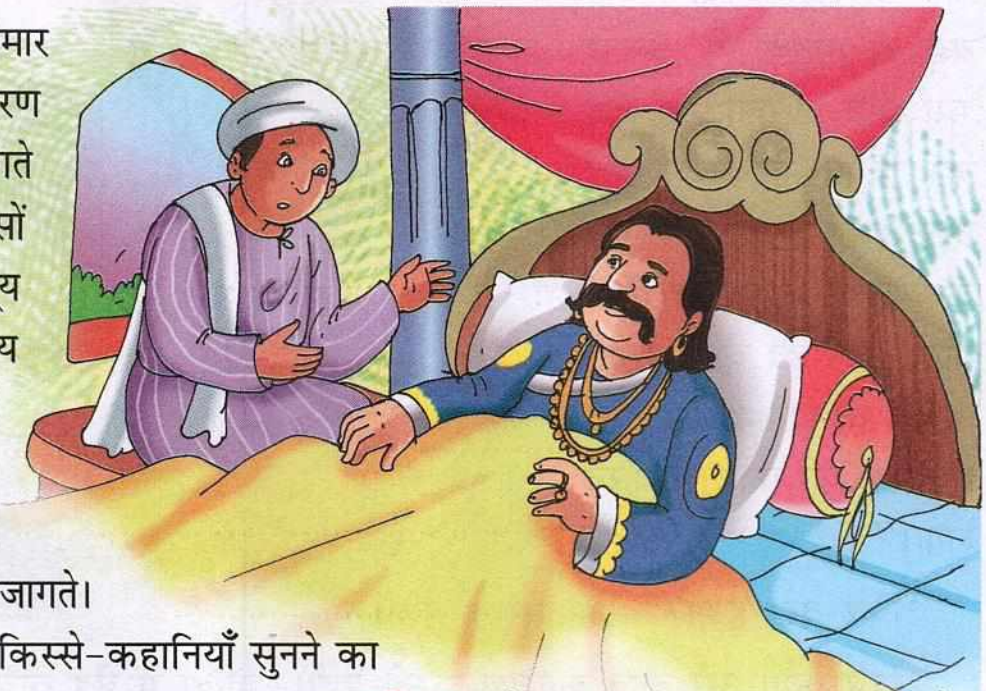

एक बार अकबर बीमार पड़ गए। बीमारी के कारण वे रात-रात भर जागते रहते। नींद उनसे कोसों दूर भाग गई थी। राजवैद्य ने कई दवाइयाँ व उपाय आज़मा लिए, पर कोई लाभ नहीं हुआ। सारी दुनिया रात में सोती और बादशाह अकबर जागते। अकबर को तो वैसे ही किस्से-कहानियाँ सुनने का बड़ा शौक था, उस पर अब समय काटना भी मुश्किल हो रहा था। अतः अकबर ने रोज़ रात को एक कहानी सुनने का निश्चय किया।

इस तरह प्रतिदिन रात को कोई-न-कोई दरबारी आकर अकबर को कहानी सुनाने लगा। अकबर हर कहानी के अंत में बार-बार पूछते–'फिर क्या हुआ?' दरबारी परेशान रहने लगे और बीरबल से इस समस्या का उपाय निकालने के लिए कहने लगे।

शब्दार्थ–**मुश्किल**–कठिन (difficult), **उपाय**–तरीका (solution)

अगली रात अकबर को कहानी सुनाने स्वयं बीरबल पहुँचे। नियमानुसार कहानी समाप्त होते ही अकबर पूछ उठे–'फिर क्या हुआ? बीरबल ने उन्हें एक और कहानी सुना दी, लेकिन इसके अंत में भी फिर से अकबर पूछ बैठे–'फिर क्या हुआ?' बीरबल परेशान हो गए। फिर बीरबल ने उन्हें एक और कहानी सुनानी शुरू की–

''जहाँपनाह, एक जंगल में एक झोंपड़ी में एक गरीब किसान रहता था। वह बहुत बहादुर था, इसलिए उसे बीहड़ जंगल में भी अकेले रहते डर नहीं लगता था। उसने झोंपड़ी के आस-पास की उपजाऊ भूमि पर धान बो दिया था। फ़सल अच्छी हुई, पर अकसर पक्षी अनाज के दाने मुँह में दबाकर ले जाते थे। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए किसान ने एक बड़े से मटके में अनाज भरा और उसका मुँह बंद कर दिया। मटके में बाईं तरफ़ एक छोटा-सा छेद कर दिया। अब एक पक्षी आया और छेद के अंदर से अनाज के दाने अपनी चोंच में दबाने की कोशिश करने लगा।''

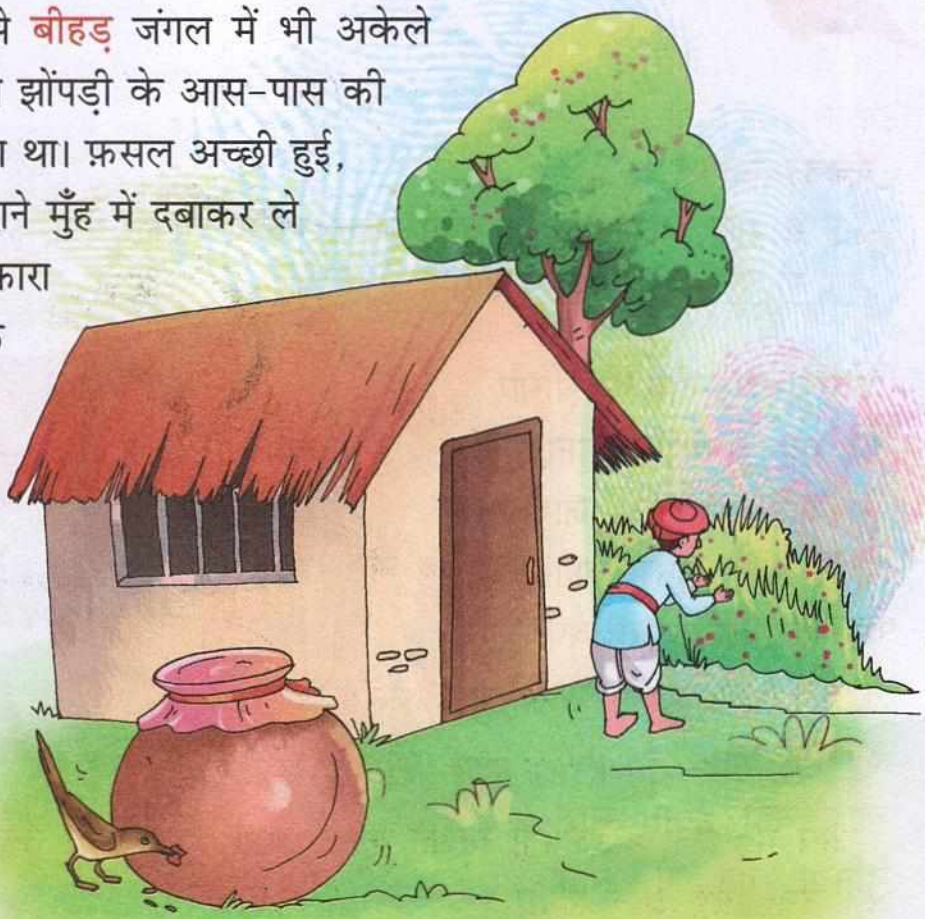

''फिर क्या हुआ?''–अकबर ने पूछा।

''फिर क्या! उसे बहुत कोशिश करनी पड़ी। आखिर में छेद कुछ बड़ा हुआ और उसकी चोंच में एक दाना आ गया।''

"फिर क्या हुआ?"

"फिर वह उड़ गया।"

शब्दार्थ–**स्वयं**–अपने-आप (me, myself), **नियमानुसार**–नियम के अनुसार (as per rule), **बीहड़**–घना (dense), **उपजाऊ**–कृषि के लिए उपयुक्त (arable land)

"फिर क्या हुआ?"

"फिर दूसरा पक्षी आया। उसने भी बहुत कोशिश की, पर छेद छोटा था।"

"फिर क्या हुआ?"

"फिर काफ़ी माथा-पच्ची करने के बाद आखिर वह भी दाना लेने में सफल हो गया।"

"फिर क्या हुआ?"

''फिर तीसरा पक्षी आया। वह भी छेद में चोंच घुसाने की कोशिश करने लगा।''

''बीरबल! आखिर कितने पक्षी आएँगे दाना लेने?''

''महाराज! अभी तो तीन ही आए हैं। कुल मिलाकर पाँच सौ पच्चीस पक्षी पेड़ पर बैठे हैं।''

''आखिर ये दाना लेना कब छोड़ेंगे?''

''जब आप 'फिर क्या हुआ' कहना छोड़ेंगे।''

अब महाराज को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने कहानी सुनना छोड़ दिया। अब उन्हें नींद आने लगी।

शब्दार्थ– **माथा-पच्ची**–कोशिश (effort), **अहसास**–महसूस होना (feeling)

जीवन-सूत्र

- अधिक बलवान तो वे ही होते हैं जिनके पास बुद्धि-बल होता है। जिनमें केवल शारीरिक बल होता है, उन्हें वास्तविक बलवान नहीं माना जाता। *–महाभारत*

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

बीमार	राजवैद्य	दवाइयाँ	प्रतिदिन	नियमानुसार
समाप्त	झोंपड़ी	उपजाऊ	भूमि	अहसास

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–

(क) किस कारण अकबर रात-रात भर जागते रहते?

(ख) अकबर ने क्या निश्चय किया?

(ग) दरबारी परेशान क्यों रहने लगे?

(घ) अगली रात अकबर को कहानी सुनाने कौन पहुँचा?

(ङ) पाठ के आधार पर बताइए कि कितने पक्षी पेड़ पर बैठे हैं?

लिखित

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) महाराज अकबर को क्या हुआ था?

(ख) महाराज अकबर को किस चीज़ का शौक था?

(ग) कहानी के अंत में महाराज क्या पूछते थे?

(घ) किसान किस बात से परेशान था?

(ङ) अंत में महाराज ने क्या किया?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) जब किसी के सामने परेशानी आए तो उसे क्या करना चाहिए?

(ख) बीरबल ने अकबर को उनकी गलती का अहसास करवाने के लिए क्या किया? आप उनकी जगह होते तो क्या करते?

भाषा ज्ञान

1. पढ़िए, समझिए और लिखिए–

एक	अनेक	एक	अनेक
कहानी	कहानियाँ	लड़की	.....
कुरसी	.....	दवाई	.....
नदी	.....	मिठाई	.....

2. नाम बताने वाले शब्दों को 'संज्ञा' कहते हैं। पाठ में से पाँच संज्ञा शब्द छाँटकर लिखिए–

....

3. विलोम शब्द लिखिए–

दिन	–	रात	जागना	–	.....
गरीब	–	.....	अच्छी	–	.....
बड़ा	–	.....	सच	–	.....

4. उदाहरण पढ़कर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) पहला पक्षी खेत में आया।

(ख) दूसरा पक्षी घोंसले में चला गया।

(ग) तीसरा पक्षी पानी पीकर उड़ गया।

(घ) ..... पक्षी छत पर बैठा है।

(ङ) ..... पक्षी चावल खा रहा है।

(च) ..... पक्षी बहुत सुंदर है।

(छ) ..... पक्षी पेड़ पर बैठा है।

(ज) ..... पक्षी फल खा रहा है।

(झ) ..... पक्षी उड़ रहा है।

(ञ) ..... पक्षी घोंसले में बैठा है।

5. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए–

अशुद्ध	–	शुद्ध	अशुद्ध	–	शुद्ध
परिक्षा	–	परीक्षा	पुज्य	–	.....
वायू	–	वायु	त्यौहार	–	.....
अतीथी	–	अतिथि	पत्नि	–	.....
मिठाईयाँ	–	मिठाइयाँ	प्रभू	–	.....

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

- यदि अकबर की आदत न छूटती तो कौन-कौन-सी कठिनाइयाँ उत्पन्न हो सकती थीं?

क्रियाकलाप

1. राजा कृष्णदेवराय के दरबार में तेनालीराम प्रसिद्ध हँसोड़े थे। उनकी किसी एक कहानी की चर्चा वर्ग में अभिनय के साथ कीजिए।
2. उचित वाक्यों का समावेश कर कहानी लिखिए–

   एक लोमड़ी ..... अंगूर की बेल ..... लोमड़ी भूखी ..... अंगूर देखकर ललचाना ..... अंगूर ..... ऊँचाई पर ..... लोमड़ी का उन्हें पाने का प्रयास ..... अंगूर पाने में ..... अंगूर खट्टे हैं। ..... निराश लोमड़ी।

अमीर खुसरो की पहेलियाँ

1. एक नार ने अचरज किया
   साँप मारि पिंजड़े में दिया,
   जों जों साँप ताल को खाए
   सूखे ताल साँप मर जाए।

2. एक थाल मोती से भरा
   सब के सिर औंधा धरा,
   चारों ओर वह थाल फिरे
   मोती उससे एक न गिरे।

3. अरथ जो इसका बूझेगा,
   मुँह देखो तो सूझेगा।

4. कटोरे में कटोरा,
   बेटा बाप से भी गोरा।

5. एक नार दो को ले बैठी
   टेढ़ी होके बिल में पैठी,
   जिसके बैठे उसे सुहाय
   खुसरो उसके बल-बल जाय।

उत्तर

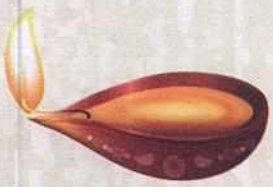

5 पुष्प की अभिलाषा

चिंतन-मनन

फूल भी अपनी अभिलाषा में देश पर त्याग-बलिदान करने को तत्पर है। देश-प्रेम सर्वोपरि प्रेम है।

चाह नहीं, मैं सुरबाला के गहनों में गूँथा जाऊँ,
चाह नहीं, प्रेमी-माला में बिंध प्यारी को ललचाऊँ,
चाह नहीं, सम्राटों के शव पर, हे हरि डाला जाऊँ,
चाह नहीं, देवों के सिर पर चढ़ूँ, भाग्य पर इठलाऊँ,
मुझे तोड़ लेना वनमाली!
उस पथ में देना तुम फेंक,
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने,
जिस पथ जाएँ वीर अनेक।

–श्री माखनलाल चतुर्वेदी

शब्दार्थ–चाह–इच्छा (desire), **गूँथा**–बाँधना, पिरोना (to tie), **हरि**–भगवान (god), **भाग्य**–नसीब (fate), **पथ**–मार्ग (path), **मातृभूमि**–जन्मभूमि (motherland), **शीश**– सिर (head), **वीर**–साहसी (brave)

जीवन-सूत्र

- अभिलाषा तभी पूरी होती है, जब वह दृढ़निश्चय में परिणित कर दी जाती है।–*स्वेट मॉर्डन*
- जिस अभिलाषा में शक्ति नहीं उसकी पूर्ति असंभव है। –*डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम*

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

अभिलाषा	सुरबाला	गूँथा	ललचाऊँ	सम्राट
भाग्य	वनमाली	पथ	मातृभूमि	वीर

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–

(क) कविता में किसकी अभिलाषा के बारे में बताया गया है?

(ख) पुष्प किसमें बिंधना नहीं चाहता?

(ग) पुष्प वनमाली से क्या कहता है?

(घ) पुष्प की अभिलाषा कविता में कौन-सा भाव प्रकट होता है?

लिखित

1. सही उत्तर चुनकर खाली स्थान पर लिखिए–

(क) पुष्प की अभिलाषा कविता के कवि ..... हैं।

(*i*) सुमित्रानंदन पंत (*ii*) शैल चतुर्वेदी

(*iii*) मोहनलाल चतुर्वेदी (*iv*) माखनलाल चतुर्वेदी

(ख) फूल तोड़ने के लिए ..... आया है।

(*i*) माली (*ii*) वनमाली (*iii*) चौकीदार (*iv*) सेवक

(ग) 'पुष्प की अभिलाषा' यह ..... की कविता है।

(*i*) देशप्रेम (*ii*) मातृप्रेम (*iii*) पितृप्रेम (*iv*) भ्रातृप्रेम

(घ) ..... लोग महान होते हैं।

(*i*) महात्मा (*ii*) वीर (*iii*) शूर (*iv*) कायर

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) पुष्प किसके गहनों में गुँथना नहीं चाहता?

(ख) पुष्प किसके सिर पर चढ़ना नहीं चाहता?

(ग) पुष्प किसे तोड़ने के लिए कह रहा है?

(घ) पुष्प किसके चरणों में चढ़ना चाहता है?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) 'चाह नहीं, मैं सुरबाला के गहनों में गूँथा जाऊँ' पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

(ख) मातृभूमि पर शीश चढ़ाने का औचित्य स्पष्ट कीजिए।

भाषा ज्ञान

1. पगड़ी, गाड़ी, पेट, थैला ये शब्द किसी भी भाषा से नहीं आए, बल्कि हिंदी में ही बना लिए गए हैं, ये 'देशज शब्द' कहलाते हैं।

   स्कूल, गरीब, दुकान, चाकू, कमीज़ ये विदेशी भाषाओं के शब्द हिंदी में प्रयोग किए जाने लगे हैं। ऐसे शब्दों को 'विदेशी शब्द' कहा जाता है।

2. कार्य, दंत, सत्य, सूर्य, आम्र ये संस्कृत के शब्द हैं, इन्हें हिंदी भाषा में उसी रूप में लिया है। इन्हें 'तत्सम शब्द' कहते हैं।

   काम (कार्य), दाँत (दंत), सच (सत्य), सूरज (सूर्य), आम (आम्र) ये संस्कृत

के रूप में बदलाव के साथ हिंदी भाषा में प्रयोग में आए हैं। इन्हें 'तद्भव शब्द' कहते हैं।

निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम और उनके तद्भव रूपों को चुनकर आमने-सामने लिखिए–

ग्राम	सात	चाँद	घर	सौ	गाँव	गाय	दुग्ध
चंद्र	शत	दूध	कान	गृह	कर्ण	गौ	सप्त

तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

1. आप भारत के अच्छे नागरिक बनकर देश की सेवा किस प्रकार करेंगे?
2. 'मेरा भारत महान' इस विषय पर अपने विचार लिखिए।
3. अगर आप पुष्प बनते तो आपकी चाहत क्या होती? आपको सबसे अच्छा फूल (पुष्प) कौन-सा लगता है? वर्ग में चर्चा कीजिए।

क्रियाकलाप

1. "हिंदी भारत की आन, बान और शान है।
   हिंदी में बसता सारा हिंदुस्तान है।।"
   इस प्रकार के अन्य विषयों से संबंधित नारों का संग्रह कीजिए।
2. 'मेरी अभिलाषा' विषय पर पाँच वाक्य लिखिए।

गतिविधि-4

शब्द भंडार

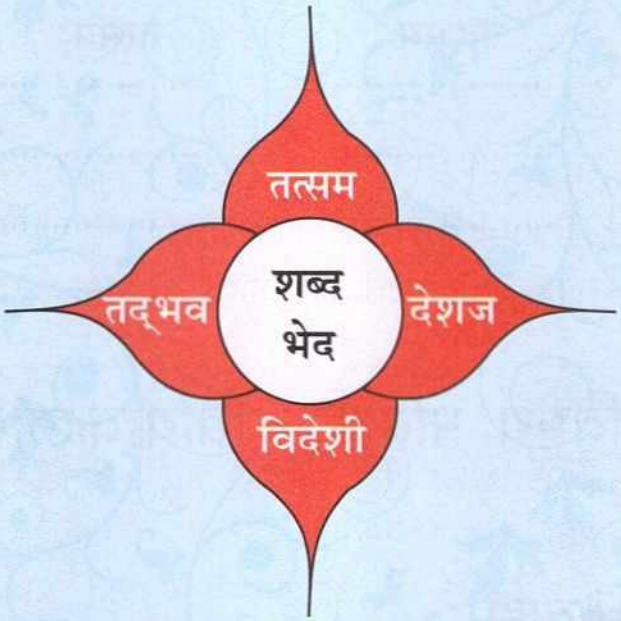

तत्सम शब्द	तद्भव शब्द	देशज शब्द	विदेशी शब्द
अग्नि	आग	झुग्गी	किताब (फ़ारसी)
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

अध्यापन-संकेत–पाठों में आए शब्दों की सहायता से सूची बनाने में बच्चों की मदद करें।

6 अग्नि की उड़ान

चिंतन-मनन

'अग्नि की उड़ान' पुस्तक डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम के जीवन की ही कहानी नहीं है, बल्कि यह डॉ० कलाम के स्वयं के ऊपर उठने और उनके व्यक्तिगत एवं पेशेवर संघर्षों की कहानी के साथ 'अग्नि', 'पृथ्वी', 'आकाश', 'त्रिशूल' और 'नाग' मिसाइलों के विकास की भी कहानी है।

मेरा जन्म मद्रास राज्य (अब तमिलनाडु) के रामेश्वरम् कस्बे में एक मध्यम वर्गीय तमिल परिवार में हुआ था। मेरे पिता जैनुलाब्दीन की कोई बहुत अच्छी औपचारिक शिक्षा नहीं हुई थी और न ही वे कोई बहुत धनी व्यक्ति थे। इसके बावजूद वे बुद्धिमान थे और उनमें उदारता की सच्ची भावना थी। मेरी माँ, आशियम्मा, उनकी आदर्श जीवनसंगिनी थीं। मुझे याद नहीं है कि वे रोज़ाना कितने लोगों को खाना खिलाती थीं, लेकिन मैं यह पक्के तौर पर कह सकता हूँ कि हमारे सामूहिक परिवार में जितने लोग थे, उससे कहीं ज़्यादा लोग हमारे यहाँ भोजन करते थे।

मैं लंबे-चौड़े व सुंदर माता-पिता का छोटी कदकाठी का साधारण-सा दिखने वाला बच्चा। हम लोग अपने पुश्तैनी घर में रहते थे। यह घर उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य में बना था। रामेश्वरम् की मसजिदवाली गली में बना यह घर चूने-पत्थर व ईंट से बना पक्का और बड़ा था। मेरे पिता आडंबरहीन थे और सभी अनावश्यक एवं ऐशो-आराम वाली चीज़ों से दूर रहते थे। घर में सभी आवश्यक चीज़ें समुचित मात्रा में सुलभता से उपलब्ध थीं। मैं

शब्दार्थ– **औपचारिक**–रस्मी (formal), **उदारता**–दयालुता (generosity/kindness), **समुचित**–उचित (appropriate), **उपलब्ध**–प्राप्त (available)

कहूँगा कि मेरा बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादेपन में बीता–भौतिक एवं भावनात्मक दोनों ही तरह से।

मैं प्राय: अपनी माँ के साथ ही रसोई में नीचे बैठकर खाना खाया करता था। वे मेरे सामने केले का पत्ता बिछातीं और फिर उस पर सुगंधित, स्वादिष्ट साँभर देतीं, साथ में घर का बना अचार और नारियल की ताज़ा चटनी भी होती।

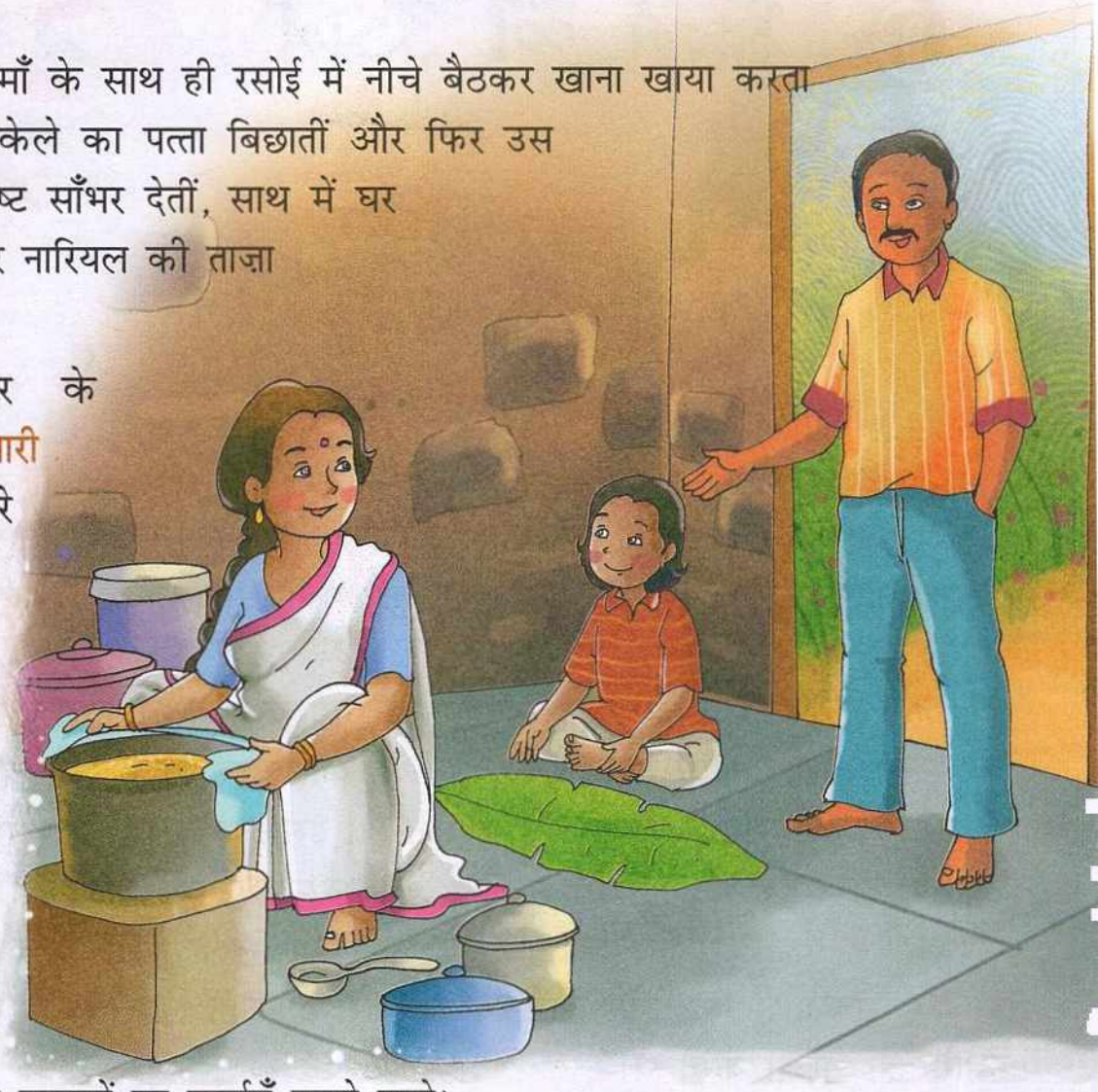

रामेश्वरम् मंदिर के सबसे बड़े पुजारी लक्ष्मण शास्त्री मेरे पिता जी के अभिन्न मित्र थे। अपने शुरुआती बचपन की यादों में इन दो लोगों के बारे में मुझे सबसे अच्छी तरह याद है, दोनों अपनी पारंपरिक वेशभूषा में होते हैं और आध्यात्मिक मामलों पर चर्चाएँ करते रहते।

मैंने अपनी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की सारी ज़िंदगी में पिता जी की बातों का अनुसरण करने की कोशिश की है। मैंने उन बुनियादी सत्यों को समझने का भरसक प्रयास किया है, जिन्हें पिता जी ने मेरे सामने रखा और मुझे इस संतुष्टि का आभास हुआ कि ऐसी कोई दैवी शक्ति ज़रूर है जो हमें भ्रम, दुखों, विषाद और असफलता से छुटकारा दिलाती है तथा सही रास्ता दिखाती है।

शब्दार्थ– **पुजारी**–पूजा करने वाला व्यक्ति (priest), **वेशभूषा**–पहनावा (dress), **अनुसरण**–पीछे चलना (follow), **विषाद**–दुख (sorrow)

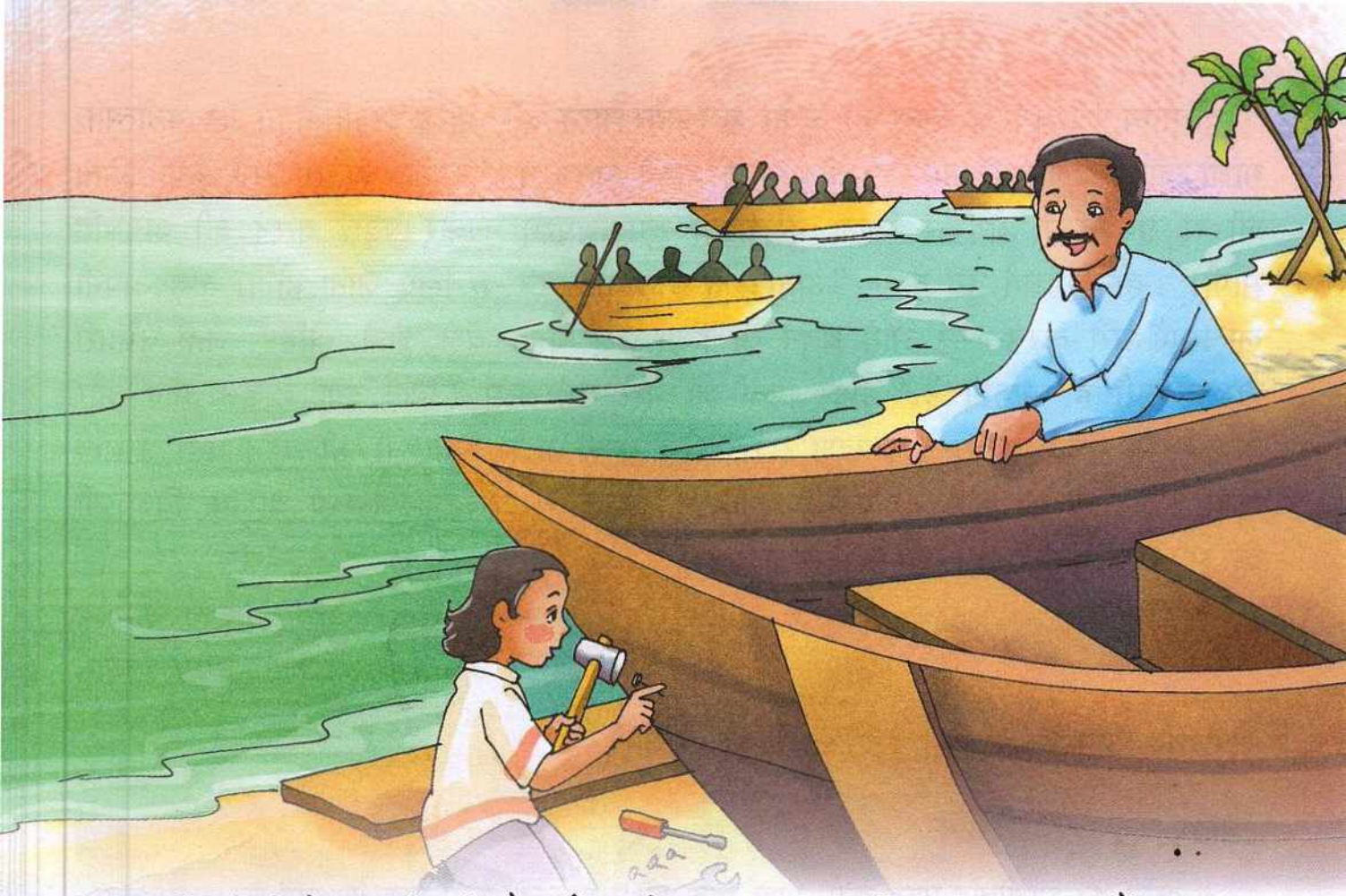

जब पिता जी ने लकड़ी की नौकाएँ बनाने का काम शरू किया, उस समय मैं छह साल का था। ये नौकाएँ तीर्थयात्रियों को रामेश्वरम् से धनुषकोडि तक लाने-ले जाने के काम आती थीं। एक स्थानीय ठेकेदार अहमद जलालुद्दीन के साथ पिता जी समुद्र तट के पास नौकाएँ बनाने लगे। नौकाओं को आकार लेते देखते वक्त मैं काफ़ी अच्छे तरीके से गौर करता था। पिता जी का कारोबार काफ़ी अच्छा चल रहा था। एक दिन सौ मील प्रति घंटे की रफ़्तार से हवा चली और समुद्र में तूफ़ान आ गया। तूफ़ान में कुछ लोग और हमारी नावें बह गईं। उसी में पायबान पुल भी टूट गया और यात्रियों से भरी ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त हो गई। तब तक मैंने सिर्फ़ समुद्र की खूबसूरती को ही देखा था। उसकी अपार एवं अनियंत्रित ऊर्जा ने मुझे हतप्रभ कर दिया।

मुझे अपने पिता जी से विरासत के रूप में ईमानदारी और आत्मानुशासन मिला तथा माँ से ईश्वर में विश्वास और करुणा का भाव।

शब्दार्थ– **स्थानीय**–स्थान विशेष से संबंधित (local), **कारोबार**–कार्य-व्यापार (business), **रफ़्तार**–गति (speed), **अपार**–जिसे पार करना कठिन हो (unlimited)

द्वितीय विश्वयुद्ध खत्म हो चुका था और भारत की आज़ादी भी बहुत दूर नहीं थी। गांधी जी ने ऐलान किया–'भारतीय स्वयं अपने भारत का निर्माण करेंगे।' मैंने अपने पिता जी से रामेश्वरम् छोड़कर जिला मुख्यालय रामनाथपुरम् जाकर पढ़ाई करने की अनुमति माँगी। उन्होंने सोचते हुए कहा, "अबुल! तुम्हें आगे बढ़ने के लिए जाना होगा। तुम्हें अपनी लालसाएँ पूरी करने और आगे बढ़ने के लिए उस जगह चले जाना चाहिए, जहाँ तुम्हारी ज़रूरतें पूरी हो सकती हैं।" फिर पिता जी मुझे रामेश्वरम् स्टेशन तक छोड़ने आए और कहा, "मेरे बच्चे, ईश्वर तुम्हें खुश रखें।" मेरी सफलता से पिता जी की बहुत बड़ी उम्मीदें जुड़ी थीं। पिता जी मुझे कलक्टर बना देखना चाहते थे और मुझे लगता था कि पिता जी के सपने को साकार करना मेरा फ़र्ज है।

–डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम

अनुवादक–अरुण कुमार तिवारी

शब्दार्थ– अनुमति–इज़ाजत (premission)

जीवन-सूत्र

- दूसरों का आशीर्वाद प्राप्त करो, माता-पिता की सेवा करो, बड़ों तथा शिक्षकों का आदर करो और अपने देश से प्रेम करो, इनके बिना जीवन अर्थहीन है।
- प्रत्येक क्षण रचनात्मकता का क्षण है उसे व्यर्थ मत करो। *–डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम*

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

शिक्षा	बुद्धिमान	उपलब्ध	भौतिक	स्वादिष्ट
वेशभूषा	तीर्थयात्री	समुद्र	ईमानदारी	फ़र्ज

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–

(क) अब्दुल कलाम जी का जन्म कहाँ हुआ था?

(ख) उनका पुश्तैनी घर कैसा था?

(ग) रामेश्वरम् मंदिर के सबसे बड़े पुजारी का नाम क्या था?

(घ) नौकाएँ तीर्थयात्रियों को कहाँ-से-कहाँ ले जाती थीं?

(ङ) पायबान पुल किस कारण टूट गया?

लिखित

1. रिक्त स्थान भरिए–

शताब्दी	जीवनसंगिनी	सादेपन	औपचारिक	द्वितीय	कारोबार

(क) मेरे पिता जैनुलाब्दीन की कोई बहुत अच्छी ..... शिक्षा नहीं हुई थीं।

(ख) मेरी माँ आशियम्मा, उनकी आदर्श ..... थीं।

(ग) यह घर उन्नीसवीं ..... के मध्य में बना था।

(घ) मैं कहूँगा कि मेरा बचपन बहुत ही निश्चिंतता और ..... में बीता।

(ङ) पिता जी का ..... काफ़ी अच्छा चल रहा था।

(च) ..... विश्व युद्ध खत्म हो चुका था।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) अब्दुल कलाम के माता-पिता का नाम लिखिए।

(ख) लेखक की माँ खाना कैसे परोसती थी?

(ग) लेखक को दो लोगों के बारे में सबसे अच्छी तरह क्या याद है?

(घ) पिता जी का कारोबार अच्छा चल रहा था। ऐसा क्या हुआ जिसने लेखक को हतप्रभ कर दिया?

(ङ) गांधी जी ने क्या ऐलान किया?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) पाठ के आधार पर अब्दुल कलाम जी के माता-पिता के बारे में विस्तार से लिखिए।

(ख) द्वितीय विश्वयुद्ध खत्म होने के बाद लेखक ने क्या निर्णय लिया और उनके पिता ने उन्हें कैसे प्रोत्साहित किया?

भाषा ज्ञान

1. पढ़िए, समझिए और लिखिए–

नौका – नौकाएँ

माला	–	.....	लता	–	.....
सेना	–	.....	हवा	–	.....
कथा	–	.....	दिशा	–	.....
भाषा	–	.....	चर्चा	–	.....

2. पढ़िए, समझिए और लिखिए–

वर्ग + ईय = वर्गीय

स्थान	+	ईय	=	भारत	+	ईय	= .....
नगर	+	ईय	=	राष्ट्र	+	ईय	= .....
दर्शन	+	ईय	=	लेखक	+	ईय	= .....

3. उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए–

मुख्य + आलय = मुख्यालय (अ + आ = आ)

हिम + आलय = ... पुस्तक + आलय = ...

सत्य + आग्रह = ... परम + आनंद = ...

परम + आत्मा = ... धर्म + आत्मा = ...

4. समान लय वाले शब्द मिलाइए–

(क) कहानी	(*i*) यात्रा
(ख) गली	(*ii*) लड़ाई
(ग) मात्रा	(*ii*) कली
(घ) काम	(*iv*) सवार
(ङ) अपार	(*v*) नाम
(च) पढ़ाई	(*vi*) सुहानी

5. पढ़िए और समझिए–

(क)				(ख)			
महत्व	+	पूर्ण	= महत्वपूर्ण	अन्	+	आवश्यक	= अनावश्यक
खुशहाल	+	ई	= खुशहाली	उप	+	लब्ध	= उपलब्ध
मान्य	+	ता	= मान्यता	वि	+	ज्ञान	= विज्ञान
उदार	+	ता	= उदारता	अ	+	सफल	= असफल
वर्ग	+	ईय	= वर्गीय	अ	+	पार	= अपार
बच्चा	+	पन	= बचपन	अ	+	नियंत्रित	= अनियंत्रित

ध्यान दीजिए – 'क' वर्ग में दिए गए 'पूर्ण', 'ई', 'ता', 'ईय', 'पन' शब्दांश सार्थक शब्दों के पीछे लगे हैं, इन्हें **प्रत्यय** कहते हैं।

'ख' वर्ग में दिए गए 'अन्', 'उप', 'वि', 'अ' शब्दांश सार्थक शब्दों के आगे लगे हैं, इन्हें **उपसर्ग** कहते हैं।

'उपसर्ग' तथा 'प्रत्यय' लगाकर नए-नए शब्द बनाए जाते हैं।

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

1. इस पाठ को पढ़कर डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम जी के बारे में आपको कई बातें पता चली होंगी। उसमें से कोई तीन बातें लिखिए।
2. कलाम जी ने अपने माता-पिता की विशेषताओं के बारे में बताया है। आप भी अपने माता-पिता के बारे में लिखिए।

क्रियाकलाप

1. डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम जी राष्ट्रपति पद पर भी रहे। जानकारी प्राप्त करके कक्षा में चर्चा कीजिए।
2. डॉ० कलाम को किस अन्य नाम से जाना जाता है?
3. डॉ० कलाम को किस सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया है?

अतिरिक्त पठन

मीथेन के दुष्प्रभाव रोकने की अनूठी पहल

रद्दी कागज़ को मिल रही नई शक्ल

भोपाल। पृथ्वी के तापमान में वृद्धि के मौजूदा खतरों के लिए ज़िम्मेदार और घातक मानी जाने वाली मीथेन के दुष्प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश की राजधानी में की गई अनूठी पहल के ज़रिए, दफ़्तरों से रोज़ निकलने वाले कागज़ी कचरे को फिर से नई स्टेशनरी में बदलने का काम शुरू हुआ है।

आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यहाँ बताया कि इसे पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (एप्को) अपने रिसाइकिलिंग प्लांट में अंजाम दे रहा है। यहाँ से तैयार स्टेशनरी की पर्यावरण परिसर के सभी दफ़्तरों को आपूर्ति शुरू हो गई है। आगे इसे राजधानी के अन्य सरकारी दफ़्तरों तक भेजे जाने की व्यवस्था भी की जा रही है। कागज़ी रद्दी को नई शक्ल में तब्दील करने के पीछे स्टेशनरी को किफ़ायती बनाने के साथ ही पर्यावरण सुधारे जाने का मकसद भी है। यह जानना यकीनन आश्चर्यजनक है कि कागज़ का कचरा पर्यावरण में घुलकर मीथेन जैसी जहरीली गैस पैदा करता है जिसे कार्बन डाई-ऑक्साइड से 21 गुना ज़्यादा घातक माना गया है। सूत्रों ने बताया कि इस पहल का दूसरा लाभ यह है कि दफ़्तरों का रद्दी कागज़ कबाड़े में जाने के बाद किसी इस्तेमाल के लायक नहीं रहता है। अब दफ़्तरों को अपने लिए इसी रद्दी कागज़ की प्रोसेसिंग के बाद साफ़ और स्वच्छ कागज़ के रूप में नई स्टेशनरी मिल रही है। इसमें फाइल, कवर, राइटिंग पैड, लिफ़ाफ़े, कॉन्फ्रेंस फोल्डर्स, लेखन सामग्री के चिटपैड, लेटर हेड्स, विज़िटिंग कार्ड्स, ग्रीटिंग कार्ड्स आदि शामिल हैं।

महत्वपूर्ण बात यह है कि कागज़ी रद्दी की रिसाइकिलिंग से नई स्टेशनरी के निर्माण में रसायनों के इस्तेमाल का परहेज़ किया गया है ताकि प्रदूषण न हो। रद्दी कागज़ की प्रोसेसिंग सूरज की रोशनी में की जा रही है जिसके चलते ऊर्जा की बचत हो रही है। नया कागज़ लंबे वक्त तक न तो खराब होता है और न ही इसमें दीमक लगती है। कागज़ के निर्माण में पेड़ों का इस्तेमाल होता है जिनकी ज़िंदगी रिसाइकिलिंग के ज़रिए बनाए जाने वाले कागज़ से महफूज़ की जा रही है। फिलहाल यह स्टेशनरी सिर्फ़ पर्यावरण परिसर के दफ़्तरों में ही प्रदान की जा रही है। अब काम को और आगे बढ़ाया जा रहा है। इसके तहत कोई एक दर्जन अन्य संस्थानों से इसकी आपूर्ति के आदेश मिल चुके हैं। वहाँ सामग्री भेजे जाने की तैयारी की जा रही है।

अध्यापन-संकेत–पर्यावरण की रक्षा करने के लिए हर दिन उपाय खोजे जाते हैं। इसी प्रकार की खबरों का संग्रह कराइए।

7 स्वतंत्रता का महत्व

चिंतन-मनन

जीव-जंतु हमारी प्रकृति का एक विशेष हिस्सा हैं। ये बेज़ुबान प्राणी होकर भी हम पर उपकार करते हैं। हमें इन्हें बंदी नहीं बनाना चाहिए।

शहर में मेला लगा था। राधा नए और सुंदर कपड़े पहनकर अपने मम्मी-पापा के साथ मेले में जा रही थी। आज उसे बड़ा अच्छा लग रहा था। तभी राधा की निगाह एक आदमी पर गई। उसने अपने हाथों में तीन-चार पिंजरे ले रखे थे। उनमें सुंदर-सुंदर, रंग-बिरंगी चिड़ियाँ बंद थीं। वह इन चिड़ियों को बेचने के लिए वहाँ खड़ा हुआ था। राधा को पक्षी वैसे भी बहुत अच्छे लगते थे और यह पिंजरों में बंद चिड़ियाँ तो थीं भी बहुत सुंदर।

राधा ने अपने पापा को रोका, "पापा, पापा! मुझे एक चिड़िया दिलवा दो।" पहले तो पापा ने उसे समझाया, "बेटे, चिड़िया का घर उसका खुला आकाश होता है। इस तरह से उसे पिंजरे में बंद करके

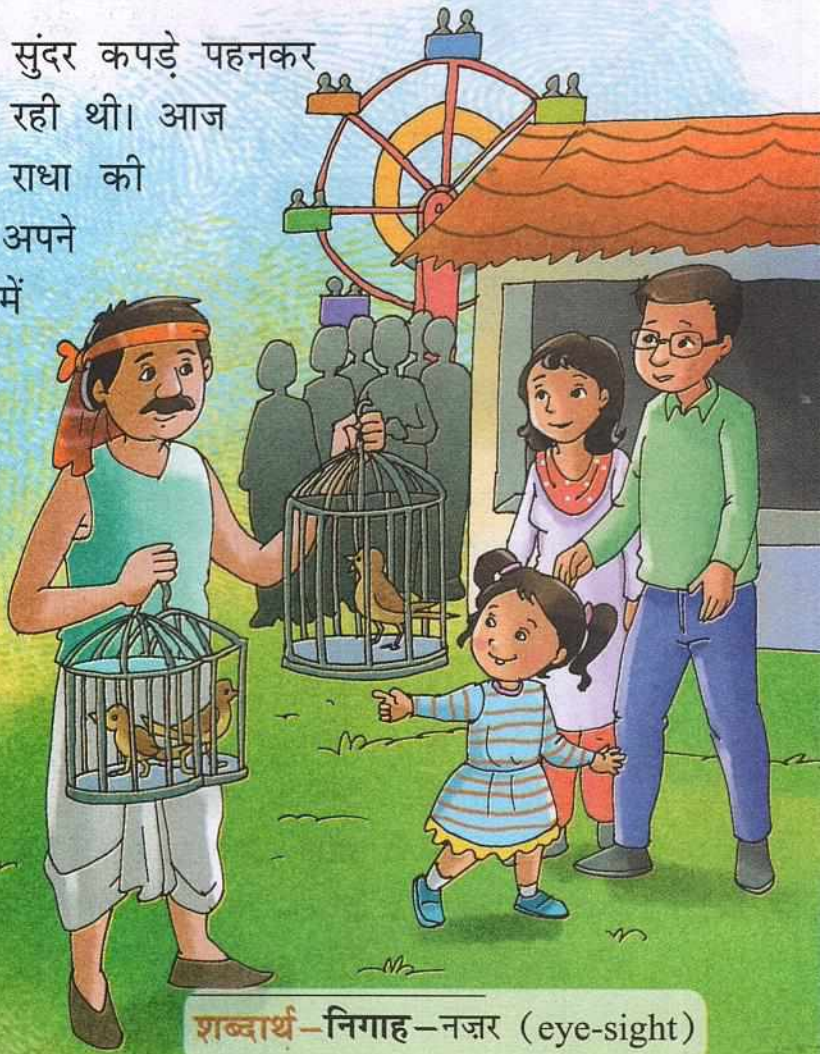

शब्दार्थ–**निगाह**–नज़र (eye-sight)

रखना अच्छी बात नहीं है।" लेकिन राधा की ज़िद के सामने उसके पापा की एक न चली। हारकर उन्होंने एक पिंजरा, जिसमें बहुत सुंदर चिड़िया थी, राधा को दिलवा दिया। राधा खुश हो गई। उसके पैर खुशी के मारे ज़मीन पर नहीं पड़ रहे थे।

राधा ने घर आते ही चिड़िया के लिए एक छोटी कटोरी में पानी का प्रबंध किया। खाने के लिए गेहूँ और दाल के दाने भी रखे गए।

अगले दिन मोहल्ले के बच्चों को पता चला, तो वे सब उसके घर आए। चिड़िया ज़ोर-ज़ोर से चीं-चीं, चीं-चीं बोल रही थी।

दिन बीतते गए। राधा अपनी प्यारी-सी चिड़िया को बहुत प्यार करती थी। वह उसका पूरा ध्यान रखती थी। उसको समय पर भोजन तथा समय पर पानी देती थी। उसे पिंजरे सहित कभी छत पर ले जाती, तो कभी आँगन में घुमाती थी।

राधा को देखते ही चिड़िया कभी अपनी पूँछ हिलाती, तो कभी अपनी गरदन घुमाती या कभी चीं-चीं करके अपनी खुशी प्रकट करती थी।

समय तेज़ी के साथ बीत रहा था। करीब-करीब छह माह यूँ ही हँसी-खुशी से बीत गए।

एक दिन राधा बाहर से खेलकर आई, तो मम्मी ने राधा को आवाज़ लगाकर कहा–"राधा बेटा, मैं तुहारी प्रेमा आंटी के साथ एक ज़रूरी काम से बाज़ार तक जा रही हूँ। एक घंटे में वापस आऊँगी। तुम घर पर ही रहना। मैं बाहर से घर का दरवाज़ा लॉक करके जाऊँगी।"

मम्मी जाने के लिए तैयार हो रही थीं, तभी राधा मुँह-हाथ धोने के लिए कमरे के साथ लगे बाथरूम में चली गई कि अभी तो मम्मी तैयार हो रही हैं। राधा के बाथरूम में जाते ही प्रेमा आंटी आ गईं और उनके साथ जल्दी में राधा की मम्मी कमरे को लॉक करके बाज़ार चली गईं। राधा जब बाथरूम से बाहर आई, तो पाया कि कमरे का दरवाज़ा बाहर से बंद है।

राधा ने दरवाज़े पर आवाज़ लगाई, "मम्मी, मम्मी, दरवाज़ा खोलो।" पर वहाँ कोई होता, तब तो खोलता। राधा को कमरे में बहुत डर लग रहा था। जिस कमरे में रहते-रहते वह इतनी बड़ी हुई थी, वही कमरा बाहर से बंद होने पर उसे काट खाने को आ रहा था। राधा बहुत घबरा गई तथा ज़ोर-ज़ोर से रोने लगी। रोते-रोते उसकी हिचकी बँध गई। वह सोच रही थी कि कब मम्मी आएँ और कब दरवाज़ा खुले! या काश! आज पापा ऑफ़िस

शब्दार्थ–**प्रबंध**–इंतज़ाम (arrangement), **करीब**–लगभग (around)

से बीच में ही आ जाएँ, तो इस दमघोंटू कमरे से मेरी जान छूटे! राधा सचमुच बहुत घबरा गई थी।

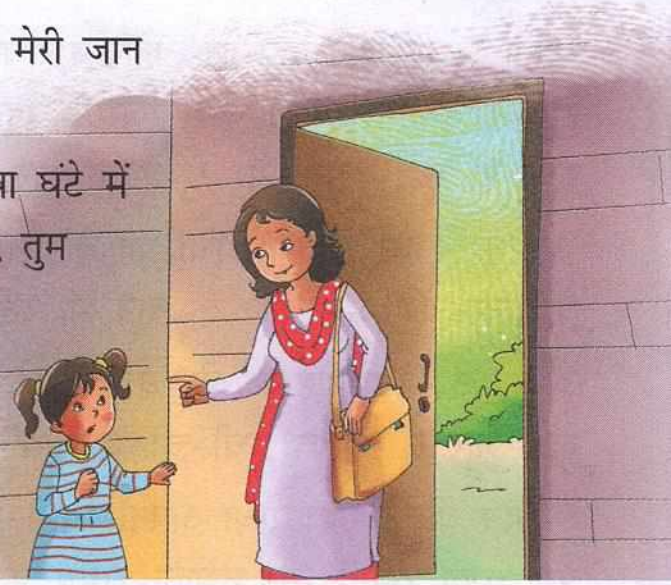

मम्मी प्रेमा आंटी के साथ बाज़ार से करीब सवा घंटे में लौटीं। उन्होंने आते ही आवाज़ लगाई, "राधा बेटे, तुम कहाँ हो?" मम्मी की आवाज़ सुनते ही राधा ने ज़ोर-ज़ोर से रोना शुरू कर दिया।

शाम को जब पापा आफ़िस से आए, तो यह सब पता चलने पर वे भी बहुत दुखी हुए। राधा का मन बहलाने के लिए वे उसे लेकर बाज़ार गए। उसकी पसंद की गुड़िया और फल दिलवाकर लाए। फिर वे दोनों छत पर आ गए। राधा अपने साथ चिड़िया का पिंजरा भी लेकर आई।

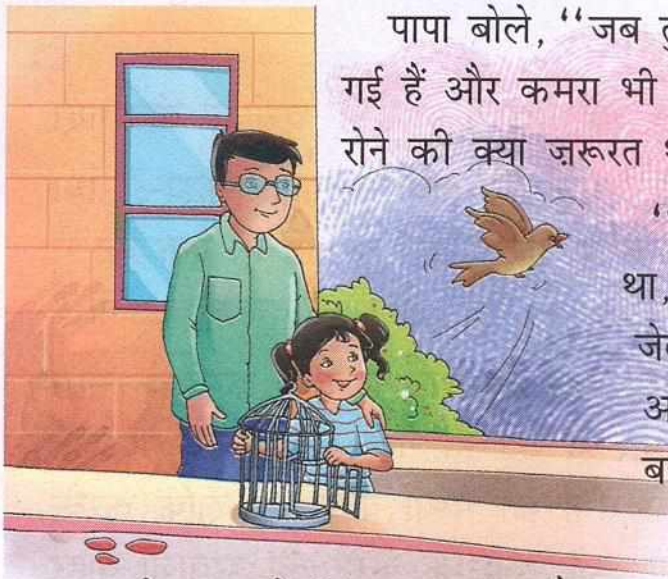

पापा बोले, "जब तुम्हें पता था कि मम्मी एक घंटे के लिए बाज़ार गई हैं और कमरा भी तुम्हारा अपना ही है, तो तुम्हें इतना घबराने और रोने की क्या ज़रूरत थी?"

"पापा, यह तो ठीक था कि कमरा मेरा अपना था, लेकिन बाहर से बंद होने पर मुझे वह बिलकुल जेल की तरह लग रहा था। मैंने सोचा, पता नहीं अब कोई इसे खोलेगा भी या नहीं। मुझे उसमें बहुत डर लग रहा था।"

तभी राधा की नज़र अपनी चिड़िया के पिंजरे पर गई। राधा ने पिंजरा उठाया और उसकी खिड़की खोलकर बोली, "मेरी नन्ही दोस्त, सॉरी! मैंने तुम्हें इतने दिनों तक इस जेल में रखा है। जाओ, मैं तुम्हें आज़ाद करती हूँ।"

–डॉ० अजय जनमेजय

शब्दार्थ–**आज़ाद**–स्वाधीन (freedom)

जीवन-सूत्र

- स्वतंत्रता केवल अनुशासन की शृंखलाओं द्वारा प्राप्त की जा सकती है। *–महात्मा गांधी*
- मानव के लिए क्रूरतम अभिशाप है–पराधीन रहना। *–सुभाषचंद्र बोस*

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

पिंजरे	चिड़ियाँ	प्रबंध	मोहल्ले	आवाज़
दरवाज़ा	बाज़ार	ऑफ़िस	घबराना	बाहर

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–

(क) राधा क्या पहनकर मेले में जा रही थी?

(ख) आदमी ने अपने हाथों में क्या ले रखा था?

(ग) राधा खुश क्यों हुई?

(घ) राधा ने घर आते ही किसका प्रबंध किया?

(ङ) राधा की मम्मी किसके साथ बाज़ार गई?

लिखित

1. उपयुक्त शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) चिड़िया ..... होना चाहती है।

(ख) भारतवासी अंग्रेज़ों की गुलामी से ..... होना चाहते थे।

(ग) मुझे बीमारी से ..... चाहिए।

(घ) वातावरण को प्रदूषण से ..... चाहिए।

(ङ) कैदी को जेलखाने से ..... चाहिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) राधा ने मेले से क्या खरीदा था?

(ख) राधा की मम्मी उसे अकेला छोड़कर कहाँ चली गई थीं?

(ग) मम्मी के जाने के बाद क्या घटना घटी?

(घ) पापा ने राधा का दिल बहलाने के लिए क्या किया?

(ङ) राधा ने चिड़िया को आज़ाद क्यों कर दिया था?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) कहानी का मूल भाव विस्तारपूर्वक लिखिए।

(ख) कहानी का शीर्षक है 'स्वतंत्रता का महत्व'–इसका क्या अर्थ है? इस कहानी का कोई और शीर्षक रखना हो, तो आप इसका क्या शीर्षक रखेंगे?

भाषा ज्ञान

1. 'पेड़ पर सुंदर चिड़िया बैठी है।' इस वाक्य में 'सुंदर' शब्द चिड़िया की विशेषता बता रहा है। आप भी उचित विशेषता वाले शब्द, नीचे लिखे शब्दों में से चुनकर गोलाकार आकृति में लिखिए–

काला	मोटी	चौकोर	चालाक	खूबसूरत

काला	.....	.....	.....	.....
बादल	बिल्ली	लड़की	डिब्बा	लोमड़ी

2. 'पर' का अर्थ है–पराया, दूसरा या अन्य और 'स्व' का अर्थ है–अपना। 'पर' से शब्द बने हैं–परतंत्र, परोपकार, परदेस, परलोक आदि। इन सभी शब्दों में 'पर' उपसर्ग इन्हीं अर्थों में प्रयुक्त हुआ है।

इसी प्रकार 'स्व' उपसर्ग से भी उसी के अर्थ के आधार पर शब्द बनाइए–

स्व ..... स्व ..... स्व .....

3. **शब्द-ज्ञान**

कभी-कभी दो भाषाओं से मिलकर भी शब्द बन जाते हैं। ऐसे शब्दों को संकर शब्द कहा जाता है।

जैसे– रेलगाड़ी = रेल (अंग्रेज़ी) + गाड़ी (हिंदी)

वर्षगाँठ = वर्ष (संस्कृत) + गाँठ (हिंदी)

उड़नतश्तरी = उड़न (हिंदी) + तश्तरी (फ़ारसी)

ऐसे कुछ शब्द लिखिए–

....

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

1. स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ने वालों ने 'स्वतंत्रता' को अपना उद्देश्य क्यों समझा? लिखिए।
2. क्या आपके साथ भी कोई ऐसी घटना घटी है, जहाँ आपको भी लगा हो कि 'स्वतंत्रता' महान है, 'बंधन' नहीं? यदि हाँ, तो लिखिए।

क्रियाकलाप

1. स्वतंत्रता से संबंधित कोई भी कविता याद करके कक्षा में सुनाइए।
2. नीचे दिए गए सभी शब्द अशुद्ध हैं। जो विद्यार्थी सभी अशुद्ध शब्दों को पाँच मिनट में शुद्ध कर देगा, वही होगा कक्षा का 'शब्दपति'।

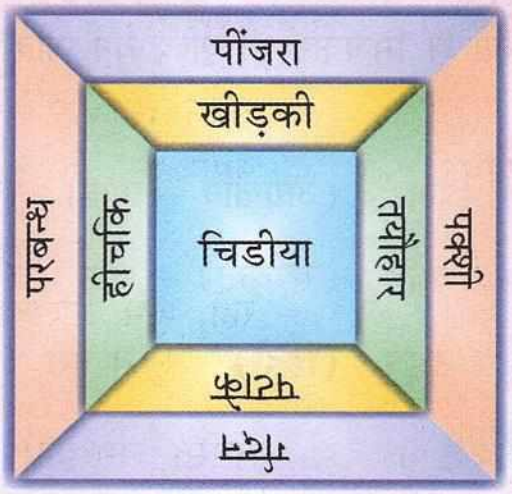

....

....

....

....

3. कहानी के आरंभ में राधा अपने मम्मी-पापा के साथ मेले में जा रही थी। आप भी मेले में जाते होंगे। अपने प्रिय मित्र को किसी मेले के बारे में बताते हुए पत्र लिखिए।

24 अक्तूबर, 20XX

प्रिय मित्र,

तुम कैसी/कैसी हो? ....

....

....

अगली बार ....

....

....

आंटी-अंकल को नमस्ते और ..... ।

तुम्हारी/तुम्हारा मित्र

.....

पत्र-लेखन करते समय इन विषयों पर ध्यान अवश्य दें–

पत्र प्रकार	संबोधन	अभिवादन	अभिनिवेदन
बड़ों को पत्र	माननीय, मान्यवर पूजनीय, आदरणीय	चरण-स्पर्श, नमस्कार, सादर प्रणाम	आज्ञाकारी, कृपाकांक्षी स्नेहभाजन
मित्र को पत्र	मित्रवर, प्रिय प्रियमित्र	सप्रेम नमस्कार, नमस्ते, नमस्कार	तुम्हारा मित्र, तुम्हारा शुभचिंतक
छोटों को पत्र	प्रिय, चिरंजीव	चिरंजीव रहो, सुखी रहो, शुभ आशीर्वाद, शुभाशीश	शुभाकांक्षी, शुभचिंतक हितैषी
अपिरिचितों को पत्र	महोदय, महोदया	नमस्ते, नमस्कार	भवदीय, भवदीया

गतिविधि-5

मुहावरे और लोकोक्ति

मुहावरे और लोकोक्ति में अंतर–.....

.....

.....

.....

.....

.....

अधजल गगरी छलकत जाए–.....

.....

.....

नाच न जाने आँगन टेढ़ा– .....

.....

.....

अध्यापन-संकेत–मुहावरे और लोकोक्ति का अंतर स्पष्ट कराइए–

जैसे– कान भरना (चुगली करना)–मुहावरा

उलटा चोर कोतवाल को डाँटे–लोकोक्ति

उपर्युक्त लोकोक्तियों का अर्थ बताकर वाक्यों में प्रयोग कराइए।

8 हमारा पड़ोसी देश–नेपाल

चिंतन-मनन

नेपाल हमारा पड़ोसी देश है। इस देश के साथ भारत के संबंध मैत्रीपूर्ण हैं। यहाँ के निवासी गोरखे साहसी, मेहनती और बहादुर होते हैं। बहादुर सैनिकों के रूप में तो पूरा संसार इन्हें जानता है। पड़ोसी देशों को जानना ज़रूरी है जिससे वहाँ की कला, संस्कृति, आबो-हवा के बारे में जानकारी मिल सके।

अठारहवीं सदी में गोरखा इलाके के राजा पृथ्वीनारायण शाह ने स्वतंत्र नेपाल की स्थापना की थी। काठमांडू में पशुपतिनाथ का प्रसिद्ध मंदिर है। हज़ारों भारतीय यहाँ तीर्थयात्रा करने आते हैं। हिमालय की गोद में बसे इस देश की शोभा न्यारी है। पहाड़ों के बीच से रास्ता बनाने वाली नदियों ने नेपाल को सुरम्य घाटियों और तराइयों का देश बना दिया है। संसार की सबसे ऊँची चोटी एवरेस्ट तथा गौरीशंकर, कंचनजंगा, धवलगिरी जैसी बर्फ़ से ढँकी चोटियाँ भी यहीं हैं।

शब्दार्थ–प्रसिद्ध–जाना-माना (famous)

हिमालय पर्वत श्रेणी

यहाँ का पालतू तथा बहु-उपयोगी जानवर 'याक' है। याक के अलावा पालतू जानवरों में गाय, बैल, भैंसें, भेड़ें और बकरियाँ हैं। बहुत ऊँचे इलाके में कस्तूरी मृग पाया जाता है। इसकी सुगंध तेज़ होती है। यह औषधीय भी है। नेपालवासियों का प्रमुख व्यवसाय खेती है। तराई और उससे कुछ ऊँचाई वाले इलाकों में धान के हरे-भरे खेत दिखाई देते हैं।

नेपाली याक

नेपाल में कोयला, ताँबा, गंधक, सीसा और लोहे जैसे कीमती खनिज पदार्थ मिलते हैं लेकिन बड़े पैमानों पर कारखाने अभी शुरू नहीं हुए हैं। नेपाल के मुख्य निवासी गोरखे और शेरपा हैं। गोरखों का कद मझोला होता है लेकिन शरीर से वे हट्टे-कट्टे होते हैं। उनकी नाक चपटी होती है और गालों के ऊपर की हड्डियाँ कुछ उठी होती हैं। आँखें छोटी और माथा सँकरा होता है। उनका रंग गेहुँआ पीला होता है। 'खुखरी' इनका प्रिय हथियार है। गोरखा लोग वीर होते हैं। भारतीय सेना दल में 'गोरखा रेजीमेंट' का बहुत महत्व है।

पशुपतिनाथ मंदिर–काठमांडू

नेपाल की दूसरी प्रसिद्ध जाति 'शेरपा' है। संसार की सबसे ऊँची चोटी 'माउंट एवरेस्ट' पर चढ़ने वाले सबसे पहले पर्वतारोही तेनजिंग शेरपा हैं। शेरपा लोग परिश्रमी होते हैं। वज़नी सामान पीठ पर लादकर वे आसानी से पहाड़ों पर चढ़ जाते हैं।

शब्दार्थ– **सुगंध**–अच्छी गंध (fragrance), **परिश्रमी**–मेहनती (laborious)

नेपालियों के घर लकड़ी और बाँस से बने होते हैं लेकिन ऊँचे पहाड़ी क्षेत्रों में मकान पत्थर के बनाए जाते हैं और उनकी छतें स्लेट की होती हैं।

काठमांडू नेपाल की राजधानी है। पशुपतिनाथ मंदिर के कारण यह तीर्थस्थल बन चुका है। पाटन में मत्स्येंद्रनाथ का मंदिर है। 'लुंबिनी' भगवान बुद्ध का जन्म स्थल है इसलिए यहाँ बौद्ध धर्म का प्रचार-प्रसार है।

नेपाल में हिंदुओं की संख्या सबसे अधिक है। दीपावली, दशहरा आदि त्योहार यहाँ उत्साह से मनाए जाते हैं। महाशिवरात्रि के दिन पशुपतिनाथ के दर्शन करने कई श्रद्धालु काठमांडू जाते हैं। हिंदुओं के बाद बौद्धों का क्रम आता है। नेपाल में बौद्ध स्तूप काफ़ी संख्या में हैं। भारतीय जीवन-शैली और नेपालियों की जीवन-शैली में काफ़ी समानता है।

बौद्ध स्तूप

भारत और नेपाल के हज़ारों वर्ष पुराने संबंध हैं। वर्तमान समय में भी इन दोनों देशों के बीच मैत्री का भाव है।

शब्दार्थ–**बाँस**–एक प्रकार का पौधा (bamboo), **त्योहार**–पर्व (festival), **जीवन-शैली**–जीने का तरीका (method of living)

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

प्रसिद्ध तीर्थयात्रा एवरेस्ट कस्तूरी सुगंध

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–

(क) नेपाली लोग किसके लिए प्रसिद्ध हैं?

(ख) नेपाल के पालतू जानवर कौन-से हैं?

(ग) नेपाल में कौन-से खनिज पदार्थ मिलते हैं?

(घ) नेपालियों की शारीरिक संरचना किस प्रकार की होती है?

(ङ) नेपाल में किनकी जनसंख्या ज़्यादा है?

लिखित

1. सही मिलान कीजिए–

(क) पृथ्वीनारायण शाह ने	मत्स्येंद्रनाथ का मंदिर है।
(ख) संसार की सबसे ऊँची चोटी	राजधानी है।
(ग) माउंट एवरेस्ट पर सबसे पहले चढ़ने वाले	तेनसिंह शेरपा हैं।
(घ) काठमांडू नेपाल की	स्वतंत्र नेपाल की स्थापना की।
(ङ) पाटन में	माउंट एवरेस्ट है।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) नेपाल का भौगोलिक वर्णन कीजिए।

(ख) स्तूप किसे कहते हैं?

(ग) नेपाल के दर्शनीय स्थलों की एक सूची बनाइए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) भारतीय जीवन-शैली और नेपालियों की जीवन-शैली में जो समानता है, उसका वर्णन कीजिए।

(ख) 'हमारा पड़ोसी देश–नेपाल' पाठ का सार लिखिए।

भाषा ज्ञान

1. एक समान अर्थ देने वाले शब्द पर्यायवाची कहलाते हैं।

निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–

(क) राजा ..... (ख) पहाड़ .....

(ग) जानवर ..... (घ) वीर .....

(ङ) घर ..... (च) वर्ष .....

2. भाषा के लिखित रूप में रुकने के लिए जिन संकेत-चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें विराम चिह्न कहते हैं। कुछ प्रमुख विराम चिह्न हैं–

पूर्ण विराम (।) – वाक्य की समाप्ति पर।

अल्प विराम (,) – थोड़ा रुकने के लिए।

योजक चिह्न (-) – दो शब्दों को जोड़कर लिखने में।

निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न लगाइए–

(क) इस देश की शोभा न्यारी है

(ख) नेपाल में कोयला ताँबा गंधक सीसा और लोहा जैसे कीमती खनिज पदार्थ मिलते हैं

(ग) शरीर से वे हट्टे कट्टे होते हैं

(घ) यहाँ बौद्ध धर्म का प्रचार प्रसार है

3. **निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

(क) हट्टे-कट्टे – .....

(ख) संकरा – .....

(ग) तराई – .....

(घ) रहन-सहन – .....

(ङ) व्यवसाय – .....

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

- कल्पना कीजिए कि यदि आप एवरेस्ट के शिखर पर पहुँच जाएँ तो वहाँ का अनुभव कैसा होगा? अपने शब्दों में लिखिए।

क्रियाकलाप

- नेपाल की तरह भारत का एक पड़ोसी देश है–भूटान। इस देश की प्राकृतिक सुंदरता एवं सांस्कृतिक विविधता के बारे में जानकारी एकत्रित कीजिए और पाठ की शैली में सचित्र चार्ट प्रस्तुत कीजिए।

नोट–इस कार्य के लिए इंटरनेट पर उपलब्ध भूटान पर्यटन की साइट से जानकारी व चित्र इकट्ठा कीजिए।

यह भी जानें–

काठमांडू में हर वर्ष मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक प्रथा पर्व मनाया जाता है। इस दिन गायों का पूजन होता है। यहाँ के लोगों का विश्वास है कि गाय मृतकों को स्वर्ग तक ले जाती है। अगर गाय न हो तो छोटे बालकों को 'गाय का वेश' धारण कराया जाता है।

अतिरिक्त पठन

भारत के तीर्थस्थान–रामेश्वरम

भारत के चार पवित्र धामों में से एक रामेश्वरम है। यह तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले में स्थित है। यह भगवान शंकर के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। इस ज्योतिर्लिंग की स्थापना भगवान श्रीराम ने की थी।

रावण के द्वारा सीता-हरण होने के बाद श्रीराम लंका पर चढ़ाई करने गए थे। तब श्रीराम ने अपनी सेना के साथ रामेश्वरम में पड़ाव डाला था। लंका तक जाने के लिए यहाँ के समुद्र पर पुल बाँधा गया था। इसी पुल के द्वारा श्रीराम और उनकी सेना लंका पहुँची थी। युद्ध में श्रीराम की जीत हुई। रावण जाति से ब्राह्मण था। रावण को मारने से श्रीराम को ब्रह्महत्या का पाप लगा था इसलिए ऋषियों ने श्रीराम को प्रायश्चित करने की सलाह दी थी। ऋषियों ने श्रीराम को भगवान शंकर का एक ज्योतिर्लिंग स्थापित करने के लिए कहा। तब श्रीराम ने ज्योतिर्लिंग लाने के लिए हनुमान को कैलाश पर्वत पर भेजा। हनुमान के आने में देर हो रही थी और ज्योतिर्लिंग की स्थापना का

रामनाथस्वामी मंदिर

मुहूर्त बीता जा रहा था। इसलिए श्रीराम ने बालू के शिवलिंग को ही ज्योतिर्लिंग के रूप में स्थापित कर दिया था, जो 'रामेश्वर' के नाम से जाना जाता है।

जब हनुमान ज्योतिर्लिंग लेकर आए, तब श्रीराम ने इसे बालू के शिवलिंग के पास ही स्थापित कर दिया। श्रीराम के कहने पर पहले हनुमान द्वारा लाया गया ज्योतिर्लिंग पूजा जाता है और बाद में बालू का शिवलिंग।

श्रीराम ने शिवलिंग की स्थापना एवं पूजा की थी इसलिए ब्रह्महत्या जैसा पाप समाप्त हो गया था। रामेश्वरम में ज्योतिर्लिंग की पूजा करने से सारे पाप नष्ट हो जाते हैं, ऐसी लोगों की मान्यता है।

रामेश्वर का मंदिर रामेश्वरम के पूर्वी तट पर बना है। मंदिर के मुख्य द्वार पर सौ फीट ऊँचा गोपुरम है। मंदिर में एक सोने से बना हुआ गरुड़ स्तंभ है। इस मंदिर का बरामदा लगभग 4000 फीट लंबा, 17 से 21 फीट तक चौड़ा और 30 फीट ऊँचा है। यह मंदिर वास्तुकला का सुंदर नमूना है। यह मंदिर बहुत पुराना है। इस मंदिर को कई राजाओं ने अपना योगदान देकर कलात्मक बनाया है। यह मंदिर 'रामनाथस्वामी मंदिर' के नाम से भी जाना जाता है।

गरुड़ स्तंभ

–संकलित

9 राष्ट्रगीत

चिंतन-मनन

भारत देश अपनी प्राकृतिक विशेषताओं और संस्कृति के कारण श्रेष्ठ है। यहाँ अनेकता में भी एकता है। बच्चों में देश प्रेम की भावना कूट-कूट कर भरी होनी चाहिए।

सारे जग को पथ दिखलाने-
वाला जो ध्रुव तारा है,
भारत-भू ने जन्म दिया है,
यह सौभाग्य हमारा है।

धूप खुली है, खुली हवा है,
सौ रोगों की एक दवा है।
चंदन की खुशबू से भीगा-
भीगा आँचल सारा है।

जन्म-भूमि से बढ़कर सुंदर,
कौन देश है इस धरती पर?
इसमें जीना भी प्यारा है,
इसमें मरना भी प्यारा है।

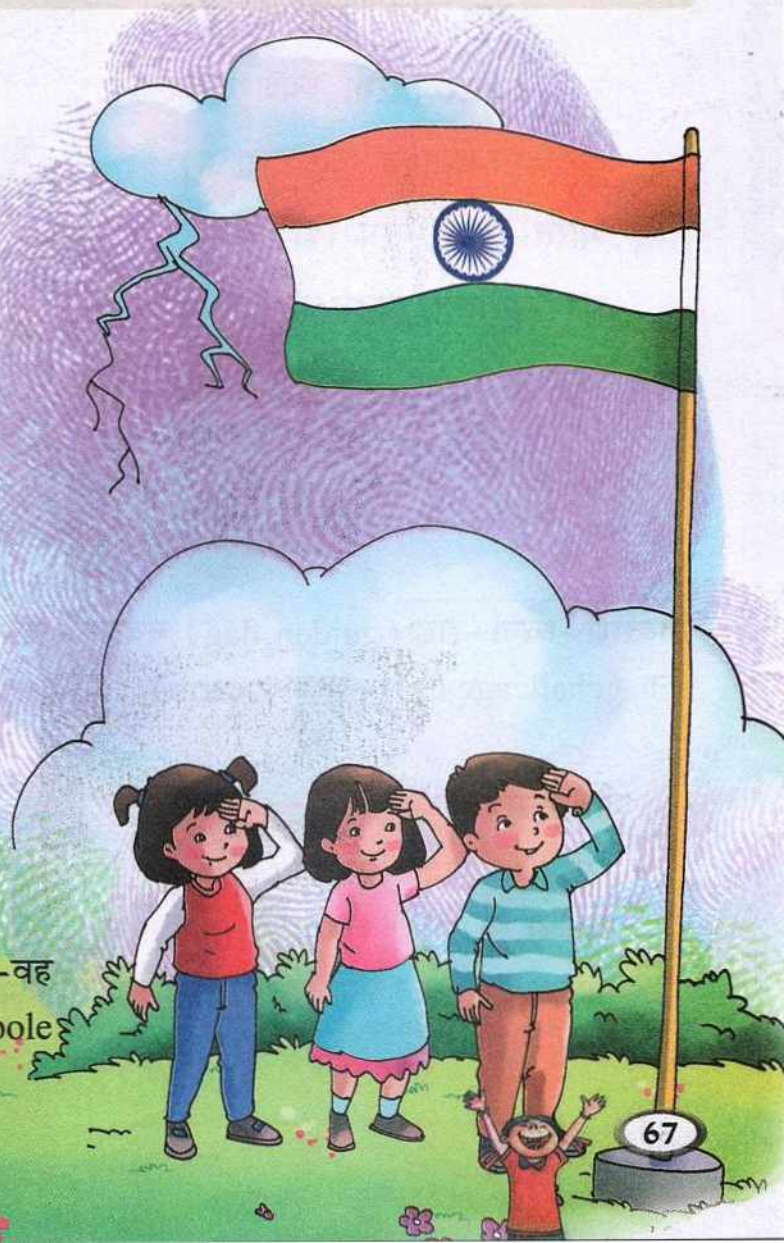

शब्दार्थ–**पथ**–रास्ता (path), **ध्रुव तारा**–वह तारा जो सदा उत्तर ध्रुव के ऊपर रहता है (pole star), **सौभाग्य**–अच्छा भाग्य (privilege)

चाहे आँधी शोर मचाए,
चाहे बिजली आँख दिखाए,
हम न झुकेंगे, हम न रुकेंगे,
यही हमारा नारा है।

पर्वत-पर्वत पाँव बढ़ाता,
सागर की लहरों पर गाता,
आसमान में राह बनाता,
चलता मन-बनजारा है।

चाँद और मंगल का सपना,
सच होने जाता है अपना।
अमर तिरंगा ध्वज उछालकर
नवयुग ने ललकारा है।

भारत-भू ने जन्म दिया है,
यह सौभाग्य हमारा है।

–आरसी प्रसाद सिंह

शब्दार्थ–ध्वज–झंडा (guidon, flag), **नवयुग**–नया युग (modern generation), **ललकारा**–चुनौती देना (challenge), **भू**–धरती (earth)

जीवन-सूत्र

- संसार में भारतवर्ष के प्रति लोगों का प्रेम व सम्मान उसकी बौद्धिक, नैतिक और आध्यात्मिक संपत्ति के कारण है। –प्रो० लुई रिनाड
- भारतवर्ष ने चीन और अरब राष्ट्रों को ज्योतिष और अंकगणित सिखाया। *–कोलबुक*

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

ध्रुव	सौभाग्य	चंदन	खुशबू	आँचल
धरती	आँधी	आँख	पर्वत	ध्वज

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–

(क) सारे संसार को कौन रास्ता दिखलाता है?

(ख) हम भाग्यशाली क्यों हैं?

(ग) सौ रोगों की एक दवा किसे कहा गया है?

(घ) इस धरती पर सबसे सुंदर देश कौन-सा है?

(ङ) हमारा सपना क्या है?

लिखित

1. काव्य पंक्तियाँ पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) *जन्म-भूमि से बढ़कर सुंदर,*
कौन देश है इस धरती पर?

- धरती पर सबसे सुंदर देश कौन-सा है?

(ख) *हम न झुकेंगे, हम न रुकेंगे,*
यही हमारा नारा है।

- आप बच्चों का नारा क्या है?

(ग) *चाँद और मंगल का सपना,*
सच होने जाता है अपना।

- चाँद और मंगल के बारे में आपका क्या सपना है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) ध्रुव तारा क्या है? उसका क्या काम होता है?

(ख) भारत के बारे में आप क्या सोचते हैं?

(ग) बनजारा मन क्या गाता है?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) 'राष्ट्रध्वज देश की शान होते हैं।' कैसे? भारतीय तिरंगे की कहानी लिखिए।

(ख) आप अपनी मातृभूमि के लिए क्या-क्या करेंगे?

भाषा ज्ञान

1. समानार्थक शब्दों को पढ़िए और समझिए–

जग	–	संसार, विश्व	भू	–	धरती, भूमि
हवा	–	वायु, पवन	बिजली	–	विद्युत, चपला
आँख	–	नेत्र, नयन	पर्वत	–	पहाड़, गिरि
सागर	–	समुद्र, उदधि	आसमान	–	आकाश, गगन

2. वाक्य बनाइए–

धूप – .....

धरती – .....

आँख – .....

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

1. भारत का राष्ट्रीय पक्षी और फूल कौन-सा है?
2. हमारे राष्ट्रीय ध्वज में कितने रंग होते हैं? ये रंग हमें क्या संदेश देते हैं?

3. राष्ट्रीय ध्वज कहाँ-कहाँ फहराया जाता है? चित्र देखकर नाम लिखिए।

....

4. राष्ट्रीय ध्वज के बीच में बना चक्र हमें क्या प्रेरणा देता है?
5. राष्ट्रीय ध्वज विद्यालय में कब-कब फहराया जाता है?

क्रियाकलाप

1. इस चित्र को देखकर आपके मन में क्या विचार उठते हैं? इस प्रकार के चित्रों का चार्ट बनाइए।

2. 'मेरा प्यारा भारत' शीर्षक पर कविता लिखिए।

गतिविधि-6

स्वतंत्रता सेनानी

अध्यापन-संकेत–भारत को स्वतंत्रता दिलाने में कई महान लोगों ने कार्य किया। छात्रों को उनमें से प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों के चित्र चिपकाने के लिए कहिए।

10 चंदन की सुगंध फैलाता– कर्नाटक प्रदेश

चिंतन-मनन

कर्नाटक कला, संस्कृति तथा धार्मिक क्षेत्रों के लिए प्रसिद्ध है। कर्नाटक का 'चंदन' तथा 'रेशम' विश्व प्रसिद्ध है। प्रस्तुत पाठ में कर्नाटक का संक्षिप्त परिचय दिया गया है।

भारत के ऐतिहासिक पन्नों पर कर्नाटक का विशिष्ट स्थान है। चोला, पांड्या, पल्लव और राष्ट्रकूट राजवंशों ने कर्नाटक पर शासन किया। इन्होंने यहाँ के सांस्कृतिक वैभव की शान रखी लेकिन चौदहवीं शताब्दी में होयसल वंश के राजाओं में मतभेद हुआ और उसी का फ़ायदा उठाकर अलाउद्दीन खिलजी और मोहम्मद तुगलक ने आक्रमण कर कला और संस्कृति पर बुरा असर डाला। कर्नाटक पर विजयनगर के राजाओं ने सौ वर्ष से अधिक समय तक शासन किया। विजय नगर के ह्रास के बाद मुसलिम शासक हैदरअली ने विभक्त कर्नाटक को एकत्रित किया। उनके पुत्र टीपू सुलतान के काल में इस राज्य का नाम 'मैसूर' पड़ा।

शब्दार्थ–विभक्त–अलग करना (divide), **काल**–समय (time)

धार्मिक दृष्टि से कर्नाटक का विशेष महत्व है। शैव-वैष्णव, बौद्ध तथा जैन धर्म का यहाँ खूब प्रचार रहा। सद्भाव का प्रचार-प्रसार करने वाले संत शंकराचार्य एवं रामानुचार्य यहाँ बहुत प्रसिद्ध हैं। सुविख्यात न्यायशास्त्री श्री विश्वैश्वरैया और धार्मिक नेता बसवेश्वर भी इसी राज्य के हैं।

कर्नाटक प्राचीन संस्कृति और कला का केंद्र है। यहाँ का श्रवणबेलगोल का 'गोम्मटेश्वर' विश्व प्रसिद्ध है। 'हलेबीडू' और 'बेलूर' शिल्पकला के उत्तम नमूने हैं। कर्नाटक चंदन वृक्ष के लिए जाना जाता है। सिलबेकल, सत्यमंगलम गुंडयाल में चंदन के पेड़ पाए जाते हैं। ये सभी वन पहाड़ियों के बीच घिरे हैं। चंदन की लकड़ी अपनी सुगंध और औषधीय गुणों के कारण विश्व प्रसिद्ध है। चंदन की लकड़ी पर बनी नक्काशी और सजावट के सामान की विश्वभर में माँग है।

मैसूर अपनी कला, संस्कृति, वैभव के लिए प्रसिद्ध है। साथ ही 'रेशम' के लिए भी प्रसिद्ध है। भारतरत्न की उपाधि से विभूषित डॉ० विश्वैश्वरैया के सौंदर्य प्रेम, शिल्प और तकनीक की अद्भुत मिसाल 'मैसूर-वृंदावन उद्यान' पर्यटकों को मोहित करता है। अपनी भव्यता, कलात्मकता, संस्कृति एवं साहित्य के अनूठेपन को दर्शाता कर्नाटक आई०टी० तथा बी०टी० क्षेत्र में भी अग्रणी है।

शब्दार्थ–**सद्भाव**–अच्छी भावना (good idolum), **सुगंध**–खुशबू (fragrance), **उपाधि**–सम्मान (honour), **अग्रणी**–आगे (ahead)

जीवन-सूत्र

- संगीत और कला की उपासना करो और भावना के धर्म को उन्नत करो।–*डॉ० राधाकृष्णन*
- कलाकार के निर्माण में जीवन के निर्माण का लक्ष्य छिपा रहता है। –*महादेवी वर्मा*

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

ऐतिहासिक	विशिष्ट	आक्रमण	विभक्त	सुविख्यात
सौंदर्य	तकनीक	अद्‌भुत	मिसाल	अनूठा

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–

(क) कर्नाटक किसके लिए प्रसिद्‌ध है?

(ख) कर्नाटक पर किसने शासन किया?

(ग) किसके काल में कर्नाटक का नाम मैसूर पड़ा?

(घ) यहाँ किस धर्म का प्रभाव रहा?

(ङ) श्रवणबेलगोल में किसकी मूर्ति है?

लिखित

1. रिक्त स्थान भरिए–

(क) कर्नाटक पर विजयनगर के राजाओं ने ..... से अधिक समय तक शासन किया।

(ख) ..... दृष्टि से कर्नाटक का विशेष महत्व है।

(ग) सुविख्यात न्यायशास्त्री श्री ..... और धार्मिक नेता ..... भी इसी राज्य के हैं।

(घ) ..... और ..... शिल्पकला के उत्तम नमूने हैं।

2. सही (✓) या गलत (✗) का चिह्न लगाइए–

(क) कर्नाटक रेशम के लिए प्रसिद्ध नहीं है।

(ख) कर्नाटक आई०टी० और बी०टी० में अग्रणी है।

(ग) कर्नाटक चंदन वृक्ष के लिए प्रसिद्ध है।

(घ) शंकराचार्य और रामानुज ने सद्भाव का प्रसार नहीं किया।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) किन राजाओं में मतभेद हुआ? किन्होंने आक्रमण कर कला और संस्कृति पर बुरा असर डाला?

(ख) धार्मिक दृष्टि से कर्नाटक का क्या महत्व है? स्पष्ट कीजिए।

(ग) चंदन की लकड़ी क्यों प्रसिद्ध है?

(घ) मैसूर में कौन-सा उद्यान प्रसिद्ध है?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) कर्नाटक प्रदेश की जानकारी अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) 'कर्नाटक को कुल आठ ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, उनकी सूची बनाकर उनमें से किसी एक व्यक्ति का परिचय लिखिए।

भाषा ज्ञान

1. (क) पूर्व में सूर्य निकल रहा है।

(ख) श्रीकृष्ण ने युद्धभूमि पर अर्जुन को उपदेश दिया।

(ग) गंगा हिमालय से बहती है।

(घ) लोगों ने अन्याय का विरोध किया।

(ङ) विद्यार्थी विद्यालय पढ़ने जाते हैं।

यहाँ रंगीन शब्द कार्य करने अथवा घटना के होने का बोध करा रहे हैं, इन्हें क्रिया कहते हैं।

निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया पदों को रेखांकित कीजिए तथा लिखिए–

(क) बच्चे पढ़ने के लिए विद्यालय जाते हैं। .....

(ख) गाय मैदान में घास चर रही है। .....

(ग) माँ ने मोहन से सब्ज़ी मँगवाई। .....

(घ) सीता ने पाठ पढ़ लिया। .....

(ङ) अध्यापक ने पाठ पढ़ाया। .....

2. हिंदी में महीनों के नाम पढ़िए तथा याद कीजिए–

जनवरी	– पौष	मई	– वैशाख	सितंबर	– भाद्रपद
फरवरी	– माघ	जून	– जेठ	अक्टूबर	– आश्विन
मार्च	– फाल्गुन	जुलाई	– आषाढ़	नवंबर	– कार्तिक
अप्रैल	– चैत्र	अगस्त	– श्रावण	दिसंबर	– मार्गशीर्ष

3. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

अद्‌भुत – .....

.....

कलात्मकता – .....

.....

संस्कृति – .....

.....

सौंदर्य – .....

.....

ऐतिहासिक – .....

.....

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

- श्रवणबेलगोल कर्नाटक का प्रसिद्ध स्थल है। यह जैन धर्म के लोगों का पवित्र स्थान है। यहाँ बारह साल में एक बार मेला लगता है। इसकी चर्चा वर्ग में कीजिए।

क्रियाकलाप

- 'शब्द जाल' में से देश के दस राज्यों की राजधानियों के नाम ढूँढ़कर लिखिए। नाम ऊपर से नीचे या तिरछे हो सकते हैं।

गां	धी	न	ग	र	मा	ज	वा	ज	पे	यी
द	ह	ल	प्रे	व	जी	य	द	ह	कां	स
वि	स	मा	म	को	ह	पु	म	ल	ख	म
मि	बं	ग	लू	रू	वा	र	ध	श्री	श	दु
श	आ	र	ग	बा	ज	ना	तू	न	झ	प
है	ल	ला	र	दि	द	मुं	ती	ग	घ	ट
द	व	भो	पा	ल	प	ब	ज	र	व	ना
रा	एं	वा	ई	द	ब	ई	डू	ए	श	न्हा
बा	ड	ल	को	ल	का	ता	आ	ग	शी	आ
द	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	भु	व	ने	श्व	र	त	ब	प	म

1. गांधीनगर
2. .....
3. .....
4. .....
5. .....
6. .....
7. .....
8. .....
9. .....
10. .....

अतिरिक्त पठन

कर्नाटक के ज्ञानपीठ विजेता– कुप्पल्लि वेंकटप्पा गौडा पुट्टप्पा

आधुनिक कन्नड़ साहित्य के श्रेष्ठतम कवि, उपन्यासकार, कथाकार के रूप में कुप्पल्लि वेंकटप्पा गौडा पुट्टप्पा प्रसिद्ध हैं। इनका संपूर्ण नाम कुप्पल्लि वेंकटप्पा गौडा पुट्टप्पा था। इनका जन्म शिवमोग्गा जिले के तीर्थ हल्ली से दूर 'कुप्पल्लि' नामक ग्राम में 29 दिसंबर, सन् 1904 को हुआ। पिता का नाम श्री वेंकटप्पा गौडा और माता का नाम श्रीमती सीतम्मा था।

बालक कुप्पल्लि वेंकटप्पा गौडा पुट्टप्पा के मन पर परिवार एवं माता-पिता के संस्कारों का प्रभाव पड़ा। कुप्पल्लि वेंकटप्पा गौडा पुट्टप्पा जी की प्राथमिक शिक्षा कुप्पल्लि में ही हुई। सन् 1920 में लोअर सेंकडरी की परीक्षा पास कर आगे की शिक्षा के लिए मैसूर आए। मैसूर में ही उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त की। बचपन से ही कुप्पल्लि वेंकटप्पा गौडा पुट्टप्पा जी को कविताएँ लिखने का शौक था। कुप्पल्लि वेंकटप्पा गौडा पुट्टप्पा जी शुरू में अंग्रेज़ी में कविताएँ लिखते थे। उनकी अंग्रेज़ी कविताओं का संकलन सन् 1932 में 'विगिनर्स म्यूस' नाम से प्रकाशित हुआ।

कुप्पल्लि वेंकटप्पा गौडा पुट्टप्पा जी को कन्नड़ में लिखने की प्रेरणा एक विदेशी कवि से मिली। अंग्रेज़ी भाषा से छुटकारा दिलाकर, कन्नड़ की एक महान चेतना को अपनी मातृभाषा की ओर उन्मुख करने का श्रेय आयरिश कवि जेम्स कन्सिस को जाता है। कुप्पल्लि वेंकटप्पा गौडा पुट्टप्पा मैसूर विश्वविद्यालय के महाराजा कॉलेज के छात्र थे। आगे चलकर वे इसी कॉलेज में अध्यापक बने, प्राध्यापक बने, प्रिंसिपल बने और अंत में इसी विश्वविद्यालय के कुलपति बनने का सौभाग्य इनको प्राप्त हुआ।

कुप्पल्लि वेंकटप्पा गौडा पुट्टप्पा जी मानवता के उपासक थे। उन्होंने आडंबरों से युक्त पूजा-विधानों का विरोध किया, लेकिन वे 'प्रार्थना' में विश्वास रखते थे।

कुप्पल्लि वेंकटप्पा गौडा पुट्टप्पा जी कन्नड़ साहित्य के लिए वरदान हैं। उन्होंने काव्य, नाटक, कहानी, निबंध, उपन्यास, काव्यशास्त्र, बाल-साहित्य, आत्मकथा आदि विधाओं में लेखन किया। उनकी 75 से भी ज़्यादा कृतियाँ प्रकाशित हैं। कुप्पल्लि वेंकटप्पा गौडा पुट्टप्पा जी 'राष्ट्रकवि' की उपाधि से विभूषित हैं। 'श्री रामायण दर्शनम्' कृति पर केंद्र साहित्य अकादमी, भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित हैं। 'पंप प्रशस्ति', 'पद्मभूषण' और 'कर्नाटक रत्न' आदि सम्मानों से ये विभूषित हुए हैं। उनके नाम पर एक विश्वविद्यालय की स्थापना हुई है। कुप्पल्लि वेंकटप्पा गौडा पुट्टप्पा जी ने कन्नड़ भाषा एवं साहित्य के साथ-साथ संपूर्ण मानव समाज के उत्थान हेतु जीवन-पर्यंत संघर्ष किया। 10 नवंबर, 1994 को नब्बे वर्ष की उम्र में कुप्पल्लि वेंकटप्पा गौडा पुट्टप्पा जी पंचतत्व में विलीन हुए।

कर्नाटक के अष्ट दिग्गज ज्ञानपीठ विजेता

डॉ० कु०वें०पु० (1967)
कृति : श्री रामायण दर्शनम्

डॉ० दत्तात्रय रामचंद्र बेंद्रे (1973)
कृति : नाकुतंती

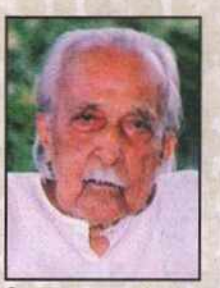

डॉ० शिवराम कारथं (1977)
कृति : मुकज्जीय कनसुगालु

डॉ० मास्ती वेंकटेश अङ्यंगार (1983)
कृति : चिक्कवीर राजेंद्रा

डॉ० वि०कृ०गोकाक (1990)
कृति : भारत सिंधु रश्मि

डॉ० यू०आर०अनंतमूर्ति (1994)
कृति : समग्र साहित्य

डॉ० गिरीश कर्नाड (1998)
कृति : समग्र साहित्य

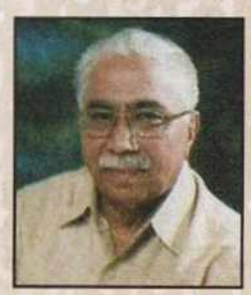

डॉ० चन्द्रशेखर खंबारा (2010)
कृति : समग्र साहित्य

11 असम का पर्व-बिहू

चिंतन-मनन

वह राष्ट्र उतना ही विकसित होगा जहाँ अधिक पर्व तथा त्योहार होंगे। विश्व में भारत अनेकता में एकता का उदाहरण है।

भारत त्योहारों व पर्वों का देश है। यहाँ वर्ष भर कोई-न-कोई पर्व आता ही रहता है। इन पर्वों में भारतीय संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। भारत के अनेक पर्वों में असम का 'बिहू' सबसे बड़ा पर्व है। 'बिहू' के अवसर पर ऊँच-नीच, अमीरी-गरीबी के भेदभाव मिट जाते हैं। सभी साथ मिलकर हर्ष और उल्लास के साथ यह पर्व मनाते हैं।

बिहू पर्व अन्य पर्वों से भिन्न है क्योंकि यह एक वर्ष में तीन बार मनाया जाता है। बोहाग बिहू, कार्तिक बिहू और माघ बिहू। इन तीनों में सर्वाधिक महत्व 'बोहाग बिहू' का है। यह वसंत, नववर्ष तथा कृषि–तीनों का पर्व है। वसंत ऋतु के स्वागत में प्रकृति सजी रहती है। इस मौसम में किसान अपने खेतों को जोतकर तैयार कर लेते हैं। इस काम में परिवार का हर सदस्य भाग लेता है। 'बोहाग बिहू' के दिन पशुशालाओं की लिपाई-पुताई होती है। साफ़-सफ़ाई की ओर ध्यान दिया जाता है। इस कार्य का उद्देश्य शुद्धिकरण होता है। इसके बाद लोग नाच-गाकर मनोरंजन करते हैं। खेती में पशु किसानों के लिए आदरणीय हैं इसलिए 'बिहू पर्व' पर इनका पूजन होता है। एक दिन के लिए इन प्राणियों को खुला छोड़ दिया जाता है।

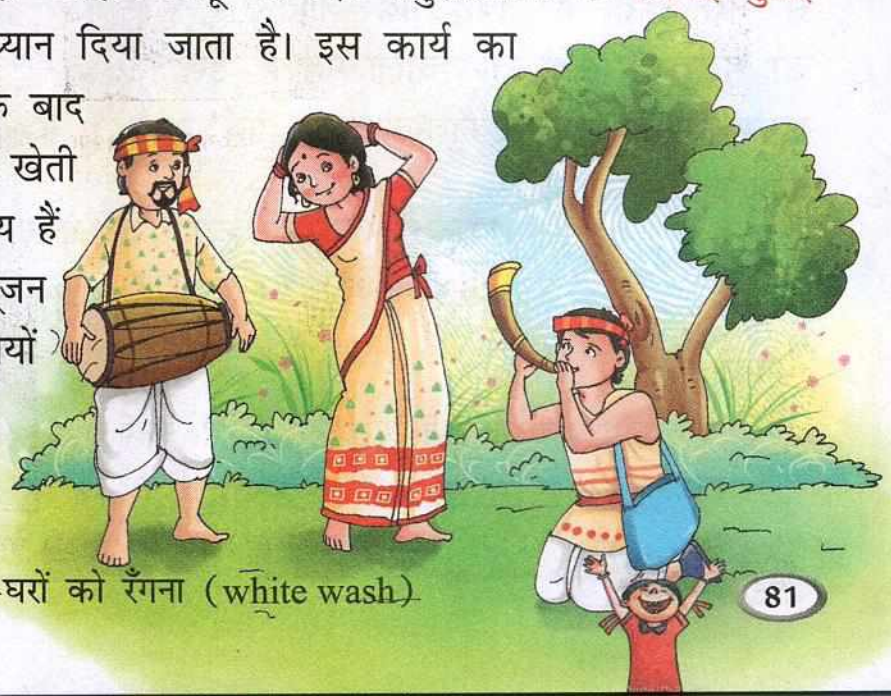

शब्दार्थ–**उल्लास**–आनंद, हर्ष, खुशी (happiness), **लिपाई-पुताई**–घरों को रँगना (white wash)

असम के निवासियों के लिए नववर्ष का आरंभ इसी समय में होता है। नववर्ष का दिन 'मानहु बिहू' के नाम से जाना जाता है। इस दिन बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार उपहार दिया जाता है। लोग पंचांग सुनते हैं तथा एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएँ देते हैं।

फ़सल की कटाई पर 'माघ बिहू' जनवरी में मनाया जाता है। फ़सल से जब कृषकों के घर भर जाते हैं तो किसानों का हृदय आनंद से भर जाता है। इस आनंद को व्यक्त करने के लिए 'भोगाली बिहू' मनाया जाता है। इस अवसर पर प्रत्येक घर में विशेष रूप से 'भोज' का आयोजन होता है। यहाँ का मुख्य आहार 'चावल' है, इसी कारण इस दिन चावल की स्वादिष्ट मिठाइयाँ बनाई जाती हैं। चावल के पुए, लारू-पीठा जैसे व्यंजन बनाए जाते हैं। इस दिन आहार में मछलियों का समावेश होता है। सामूहिक रूप से युवक और बालक इस पर्व पर 'प्रीतिभोज' का आयोजन करते हैं। पूरी रात खाना-पीना और नाचना-गाना चलता है। इसी समय 'होलिका दहन' की तरह 'होली' को जलाया जाता है। इसे 'भेजी बिहू' कहा जाता है।

सामूहिक रूप से तथा पारिवारिक रूप से मनाया जाने वाला पर्व उमंग, उल्लास से भरा रहता है। बिहू पर्व जाति-भेद को भूलकर मनाया जाने वाला पर्व है, इस कारण इसे 'राष्ट्रीय-एकात्मकता का पर्व' भी कहा जा सकता है।

शब्दार्थ—**कृषक**—किसान, खेती करने वाला (farmer), **स्वादिष्ट**—रुचिकर (delicious), **दहन**—जलाना (burn)

जीवन-सूत्र

- जब कृषि होती है तभी अन्य कलाएँ भी पनपती हैं, अत: कृषक लोग ही मानव सभ्यता के निर्माता हैं।

—डेनिएल वेब्स्टर

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

संस्कृति	हर्ष	उल्लास	स्वागत	उद्देश्य
शुद्धिकरण	उपहार	कृषक	आयोजन	स्वादिष्ट

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–

(क) पर्वों में किसकी झलक देखने को मिलती है?

(ख) असम का सबसे बड़ा पर्व कौन-सा है?

(ग) बिहू पर्व अन्य पर्वों से भिन्न क्यों है?

(घ) असम में नववर्ष का दिन किस नाम से जाना जाता है?

(ङ) 'मानहु बिहू' के दिन बच्चों को क्या दिया जाता है?

लिखित

1. सही (✓) या गलत (✗) का चिह्न लगाइए–

(क) बिहू केरल का पर्व है। ☐

(ख) बिहू वर्ष में तीन बार मनाया जाता है। ☐

(ग) बिहू पर्व पर पशुओं को बाँधा जाता है। ☐

(घ) नववर्ष का पर्व 'मानहु बिहू' है। ☐

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) भारत कैसा देश है?

(ख) बिहू पर्व वर्ष में कितनी बार मनाया जाता है?

(ग) बोहाग बिहू के दिन क्या-क्या किया जाता है?

(घ) माघ बिहू कब मनाया जाता है?

(ङ) असमियों का मुख्य आहार क्या है?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) बिहू को किस पर्व के नाम से पुकार सकते हैं?

(ख) 'राष्ट्रीय एकात्मकता का पर्व'–स्पष्ट कीजिए।

भाषा ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

अमीर – ..... ऊँच – .....

रात – ..... मीठा – .....

रुचि – ..... आरंभ – .....

2. (क) बालक पाठ पढ़ रहा था।

(ख) पक्षी आकाश में उड़ रहे हैं।

(ग) मैं कल मुंबई जाऊँगा।

रंगीन वाक्यांशों से क्रिया के हो चुके, हो रहे और होने वाले समय का बोध हो रहा है। क्रिया के घटने या होने के समय का बोध कराने वाले शब्द को 'काल' कहते हैं।

निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त होने वाली क्रियाओं को चुनकर लिखिए तथा उनके काल बताइए–

	क्रिया	काल
(क) सीता गाना गा रही है।	.....	.....
(ख) पुलिस चोर को पकड़ लेगी।	.....	.....
(ग) छोटू साइकिल चला रहा है।	.....	.....
(घ) मेरे पिता जी क्रोधी स्वभाव के थे।	.....	.....

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

- भारत पर्वों का देश है। भिन्न-भिन्न राज्यों के अनुसार यहाँ भिन्न-भिन्न पर्व मनाए जाते हैं। बताइए, इन राज्यों में कौन-कौन से पर्व मनाए जाते हैं?

महाराष्ट्र – .....

कर्नाटक – .....

गुजरात – .....

केरल – .....

तमिलनाडु – .....

क्रियाकलाप

1. 'गौ पूजा' का भारत की संस्कृति में विशेष महत्व है। हर प्रांत में अलग-अलग पर्वों से यह पहचाना जाता है। इन पर्वों की चर्चा करें; जैसे–कर्नाटक-पोंगल, महाराष्ट्र-पोला आदि।
2. 'जीवन में त्योहारों तथा पर्वों का महत्व'–इस विषय पर पाँच वाक्य लिखिए।

गतिविधि-7

त्योहारों के नाम

वर्ग में छिपे भारत के प्रसिद्ध पर्वों पर गोला लगाइए और तालिका को पूरा कीजिए–

के	ना	तो	हो	से	हू	र
दी	पा	व	ली	ति	बै	थ
य	ज	न्मा	ष्ट	मी	सा	या
पों	सृ	द	खे	ति	खी	त्रा
ग	णे	श	पू	जा	कू	सि
ल	पा	ह	छो	ओ	ण	म
न	व	रा	त्रि	ती	बि	हू

पर्वों के नाम	राज्य	मिठाइयाँ
दीपावली	सर्वत्र*	विविध मिठाइयाँ
पोंगल	तमिलनाडु	मीठा पोंगल

*सर्वत्र–सभी जगहों पर मनाए जाने वाले पर्व।

अध्यापन-संकेत–छात्रों को पर्वों की चर्चा करके पर्वों के महत्व को समझाइए।

12 पौधे कहते

चिंतन-मनन

पेड़-पौधे हमारे पालनहार हैं। हमें सदैव इनकी रक्षा करनी चाहिए। अपनी स्वार्थ-सिद्धि के लिए इन्हें नुकसान नहीं पहुँचाना चाहिए। इनको हानि पहुँचाना, अपने को हानि पहुँचाना है।

नन्हे पौधे हाथ पसारे
कहते–"हमें बचाओ प्यारे।"

हम न किसी को दुख देते हैं
पर हित हेतु जन्म लेते हैं।
मीठे फल हैं तुम्हें खिलाते
फूलों से मन खूब रिझाते।।

पर तुम डाल रसायन-खाद
करते मिट्टी को बरबाद।
जिसको धरती माँ कहते हो
उसको जहरीला करते हो।।

शब्दार्थ–**पर**–अन्य (other), **हित**–भला (good/gentle), **रिझाते**–प्रसन्न करना (fascinate), **बरबाद**–नष्ट करना (destroy)

यही ज़हर भरता है हममें,
जड़ में, फल में, सारे तन में।
तुम सब जब ये फल हो खाते
विष अपने तन में ले जाते।।
नई-नई बीमारी बनती
सुंदर-निर्मल काया जलती।
विष को त्याग, हमें दो प्यार
सुखी रहे सारा संसार।।

–सतीश मिश्र

शब्दार्थ–तन–शरीर (body), **निर्मल**–पवित्र (pure), **काया**–शरीर (soma), **विष**–ज़हर (poison), **त्याग**–छोड़ना (forsake)

जीवन-सूत्र

- वृक्ष अपने सिर पर गरमी झेल लेता है, किंतु अपनी छाया से औरों को गरमी से बचाकर उन्हें छाया प्रदान करता है। *–कालिदास*
- पहले मनुष्य प्रकृति का खिलौना था, आज उसका स्वामी है। *–अज्ञात*

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

नन्हे	पौधे	प्यारे	जन्म	मिट्टी
रसायन	ज़हरीला	बीमारी	निर्मल	संसार

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–

(क) पौधे किसके सामने हाथ पसार रहे हैं?

(ख) पौधों का जन्म किसलिए होता है?

(ग) मिट्टी को बरबाद कैसे किया जा रहा है?

(घ) संसार को सुखी रखने के लिए क्या करना होगा?

लिखित

1. सही मिलान कीजिए–

(क) मीठे फल हैं तुम्हें खिलाते	(*i*) सुखी रहे सारा संसार।
(ख) पर तुम डाल रसायन-खाद	(*ii*) विष अपने तन में ले जाते।
(ग) जिसको धरती माँ कहते हो	(*iii*) करते मिट्टी को बरबाद।
(घ) तुम सब जब ये फल हो खाते	(*iv*) फूलों से मन खूब रिझाते।
(ङ) विष को त्याग, हमें दो प्यार	(*v*) उसको जहरीला करते हो।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) नन्हे पौधे स्वयं को बचाने के लिए क्यों कह रहे हैं?

(ख) हमें पेड़-पौधों से क्या-क्या मिलता है?

(ग) मनुष्य मिट्टी को कैसे नुकसान पहुँचा रहा है?

(घ) मानव शरीर में ज़हर कैसे पहुँचता है?

(ङ) सारा संसार सुखी कब हो सकता है?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) पेड़-पौधों की रक्षा के लिए आप बच्चे क्या-क्या कर सकते हैं? लिखिए।

(ख) आप अपने घर में तथा आस-पास कौन-कौन से पौधे लगे देखते हैं? उनसे क्या-क्या लाभ हैं? उनकी रक्षा क्यों करनी चाहिए?

भाषा ज्ञान

1. निम्नलिखित समान अर्थ वाले शब्द पढ़िए और समझिए–

हाथ	–	हस्त, कर	फूल	–	पुष्प, सुमन
धरती	–	पृथ्वी, भूमि	माँ	–	माता, जननी
तन	–	शरीर, काया	प्यार	–	प्रेम, स्नेह

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

दुख	–	.....सुख.....	जन्म	–	.....
मीठे	–	.....	प्यार	–	.....
विष	–	.....	नई	–	.....
सुंदर	–	.....	सुखी	–	.....

3. अपठित का अर्थ होता–जो पहले पढ़ा न गया हो

पहले से न पढ़े गए पाठ के अंश को अपठित कहते हैं।

निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

एक दिन राजा दशरथ शिकार पर गए। उन्होंने एक आवाज़ को सुनकर बिना देखे ही तीर चला दिया। तीर जाकर श्रवण कुमार को लगा, जो पास के एक तालाब से अपने माता-पिता के लिए पानी भर रहा था। वह अपने अंधे माता-पिता का इकलौता पुत्र था। यह जानकर राजा दशरथ को अपने किए पर बहुत पछतावा हुआ। वे लोटे में पानी लेकर श्रवण के माता-पिता के पास पहुँचे। आहट सुनकर श्रवण के पिता बोले, "आ गए बेटा! लाओ, पानी पिला दो।" राजा दशरथ ने कोई उत्तर नहीं दिया और पानी का लोटा श्रवण के पिता के मुँह से लगा दिया। पिता ने दशरथ को स्पर्श किया, तो तुरंत बोले, "तुम कौन हो? बोलते क्यों नहीं? तुम श्रवण नहीं हो। हमारा बेटा कहाँ है?"

(क) शिकार के समय राजा दशरथ का तीर किसे लगा?

(ख) श्रवण कुमार कौन था?

(ग) आहट सुनकर श्रवण के पिता क्या बोले?

(घ) श्रवण के पिता को कैसे पता लगा कि पानी पिलाने वाला उनका बेटा नहीं, कोई और है?

(ङ) गद्यांश में आए निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

अपने – ..... उत्तर – .....

पास – ..... दिन – .....

(च) गद्यांश में से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए–

....

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

1. आजकल पेड़ों की कटाई पर रोक लगा दी गई है। कक्षा में चर्चा कीजिए कि पेड़ों के संरक्षण के लिए क्या-क्या किया जा रहा है?
2. पेड़-पौधों से हमें क्या-क्या मिलता है?

क्रियाकलाप

1. दस पेड़ों के चित्र लगाकर उनके नाम लिखिए।
2. अत्यधिक ऑक्सीज़न देने वाले पौधों की जानकारी प्राप्त कर कक्षा में चर्चा कीजिए।

13 पाठशाला

चिंतन-मनन

सत्य सबसे बड़ी शक्ति और गुण है। सत्य पर अटल रहो। सत्यवादी और दृढ़-निश्चयी ही महान बनते हैं।

आज सारे बच्चे चुप हैं। संगीत के मास्टर जी ने बड़ी करारी डाँट खिलाई है। भूगोल के अध्यापक वेणुगोपाल जी के आते ही कुछ हलचल शुरू हो गई, पर कुछ ही क्षणों में फिर चुप्पी छा गई। धीरे-धीरे लड़कों में फुसफुसाहट शुरू हो गई।

"क्यों रे! कॉपी तो लाया है न।"

"अरे बाप रे! मैं तो भूल ही गया।"

वेणुगोपाल जी ने घूरकर देखा तो दोनों लड़के चुप्पी साध गए।

"अरे गणेश! तेरी गाय ने जो बछड़ा दिया है, वह कैसा है?"–विशू ने फुसफुसाते हुए पूछा।

"उजला, एकदम सफ़ेद।"

"शाम को आऊँगा देखने।"

"पर शाम को तो नदी किनारे कंचे खेलने जाना है न।" इतने में वेणुगोपाल जी ने फिर घूरकर चुप रहने का संकेत दिया। एक लड़के को कॉपियाँ इकट्ठी करने का आदेश दिया। एकाध लड़के आज भी कॉपी नहीं लाए थे। उन्हें मुर्गा बना दिया गया। कुछ लड़के उन्हें मुर्गा बना देखकर मुँह छिपाकर हँस पड़े, तो कुछ इशारे से बात करने लगे।

शब्दार्थ–**करारी**–ज़ोर से (powerful), **भूगोल**–धरती के बारे में बताने वाला विषय (geography), **फुसफुसाहट**–धीरे-धीरे बात करना (murmer), **संकेत**–इशारा (indicate)

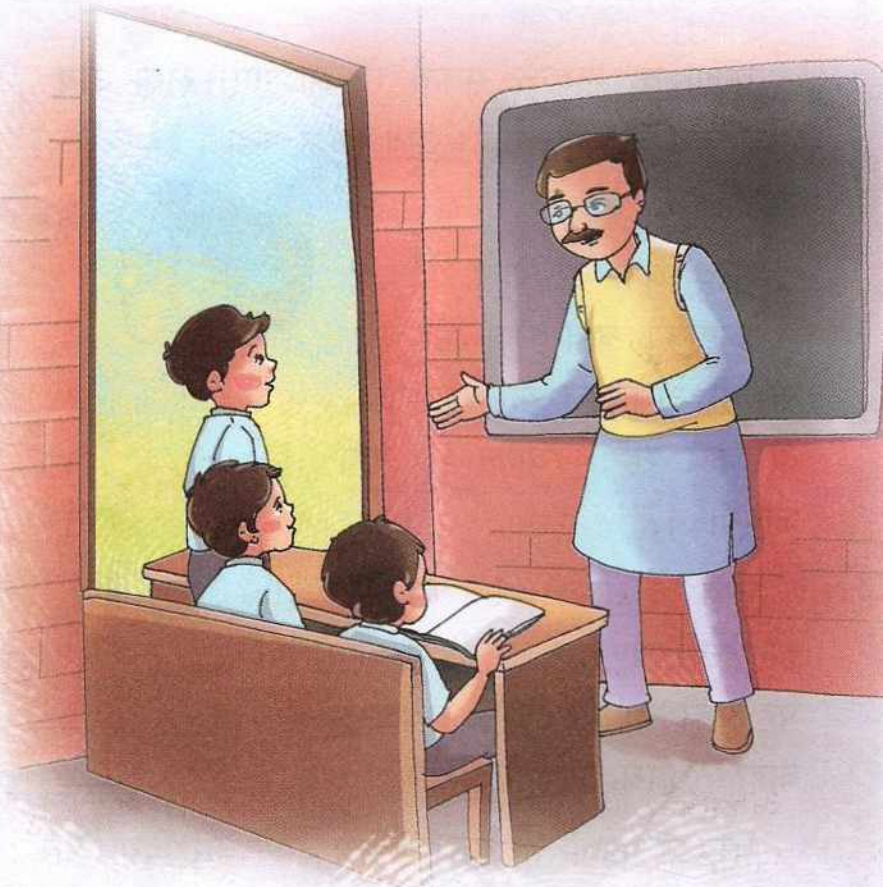

वेणुगोपाल जी ने दो-तीन कॉपियाँ ही जाँची थीं कि नरेंद्र की कॉपी उनके सामने आ गई। कॉपी जाँचते हुए वह मुसकरा उठे। नरेंद्र उनके चेहरे पर आते-जाते भावों से कुछ-कुछ अंदाज़ा लगाने की कोशिश करता है।

"नरेंद्र नाथ दत्त! खड़े हो जाओ।" भारी-भरकम आवाज़ सुनकर सभी का ध्यान उस ओर चला गया। "संयुक्त राज्य अमेरिका की राजधानी कौन-सी है?"

"वाशिंगटन।"

"बिलकुल गलत! यदि तुम्हें नहीं आता था, तो पिता जी से पूछ लेते। पुस्तक में देखते। जो मन में आया लिख दिया?"—अध्यापक गुस्से में बोल उठे।

"पर मुझे उत्तर पता है, तो फिर किसी से क्यों पूछता।"—नरेंद्र ने आराम से उत्तर दिया।

वेणुगोपाल जी उग्र स्वभाव वाले अध्यापक हैं। पलटकर कोई उन्हें जवाब दे—यह असहनीय है। एकदम चीखकर बोले—"अमेरिका की राजधानी न्यूयार्क है, समझे? एक तो गलत जवाब लिखते हो, ऊपर से बहस!"

नरेंद्र को पूरा विश्वास है कि उसने गलत नहीं लिखा, फिर भला वह चुप क्यों रहे? "नहीं गुरु जी! यह गलत है। न्यूयार्क नहीं, वाशिंगटन ही संयुक्त राज्य अमेरिका की राजधानी है।"

इस बार वेणुगोपाल जी आग-बबूला हो उठे—"एक तो गलती, ऊपर से सीनाज़ोरी। अध्यापक के सामने ज़बान चलाते हो। तुम्हारी इतनी हिम्मत!"

शब्दार्थ—अंदाज़ा—अनुमान (assumption), **उग्र**—तीव्र (acrimonious), **असहनीय**—जिसे सहन न किया जा सके (intolerable)

कक्षा के लड़के सकते में आ गए। लगा अब नरेंद्र नाथ की खैर नहीं। अब चाँटा पड़ा कि तब।

नरेंद्र बिना डरे बोला–"यदि मैं आपकी बात मान भी लूँ, तो भी अमेरिका की राजधानी तो वही रहेगी, बदल तो नहीं जाएगी न?"

अब तो सहन करना मुश्किल हो उठा। वेणुगोपाल जी ने मेज़ पर पड़ी अपनी छड़ी उठाई और कहा–"हाथ आगे बढ़ाओ।"

नरेंद्र ने पहली ही बार में हाथ आगे कर दिया। सर्र... सर्र... सर्र... चार-पाँच बेंत ज़ोर-ज़ोर से नन्ही हथेली पर पड़े। "अब बताओ, संयुक्त राज्य अमेरिका की राजधानी कौन-सी है?"

"अभी भी वाशिंगटन ही है।"–नरेंद्र ने अपनी कलाई पर काबू पाते हुए कहा।

वेणुगोपाल जी चौंक उठे।

आज तक ऐसा कभी नहीं हुआ। इतने वर्षों में न जाने कितने शरारती और बदतमीज़ लड़कों की अकल ठिकाने लगाई है। आज कुछ गड़बड़ लग रही है। क्या वे सचमुच गलत हैं? सत्य मनुष्य को ताकत देता है। वे कुरसी पर बैठ गए और भूगोल की पुस्तक के पन्ने उलटने लगे।

उन्हें अपने प्रश्न का जवाब मिल गया। भूल उन्हीं की थी।

उन्होंने नज़र उठाकर नरेंद्र को देखा और मुसकरा उठे–"नरेंद्र! मुझे खुशी है कि तुम सत्य पर टिके रहे। तुम्हारी इसी दृढ़ता के कारण मेरी भूल में सुधार हुआ। यही सत्य तुम्हारी सबसे बड़ी शक्ति बनेगा।"

शब्दार्थ– **चाँटा**–थप्पड़ (slap), **पन्ने**–पृष्ठ (page), **दृढ़ता**–पक्का विश्वास (assurance), **सत्य**–सच (truth)

न तो वेणुगोपाल जी के मन में कोई अपराध भाव रहा, न नरेंद्र के मन में अपने गुरु जी के प्रति रोष। यही बालक बड़ा होकर स्वामी विवेकानंद के नाम से प्रसिद्ध हुआ। सत्य पर अटल विश्वास और तर्क-शक्ति के बल पर ही उसने संसार में नाम कमाया।

स्वामी विवेकानंद जी का जन्म 12 जनवरी, 1863 को हुआ था। अपने गुरु श्री रामकृष्ण परमहंस से प्रेरित होकर उन्होंने वेदों का प्रचार किया। भारत में ही नहीं विदेशों में भी स्वामी विवेकानंद जी ने धर्म के सही स्वरूप का प्रचार-प्रसार किया। भारत देश के प्रति उनके मन में भक्ति-भाव था।

शब्दार्थ–**रोष**–गुस्सा (anger), **अटल**–मज़बूत (strong), **तर्क-शक्ति**–बहस करने की ताकत (logical power), **प्रचार**–व्यवहार में आना (propagation)

जीवन-सूत्र

- सत्य की ही विजय होती है, असत्य की नहीं।
- सत्य से बढ़कर धर्म नहीं है। सत्य स्वयं परमब्रह्म परमात्मा है। *–वेदव्यास*

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

मास्टर	भूगोल	अध्यापक	फुसफुसाहट	कापियाँ
राजधानी	असहनीय	सत्य	स्वरूप	प्रचार

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–

(क) बच्चों को किसने डाँटा था?

(ख) भूगोल के अध्यापक जी का नाम बताइए।

(ग) कापियाँ इकट्ठी कौन कर रहा था?

(घ) वेणुगोपाल जी का स्वभाव कैसा है?

(ङ) आज तक क्या नहीं हुआ था?

लिखित

1. दिए गए शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–

को	के	की	ने	पर	में	का

(क) संगीत ..... मास्टर जी ने बड़ी करारी डाँट खिलाई है।

(ख) एक लड़के ..... कॉपियाँ इकट्ठी करने का आदेश दिया।

(ग) वेणुगोपाल जी ..... दो-तीन कॉपियाँ ही जाँची थीं।

(घ) संयुक्त राज्य अमेरिका ..... राजधानी कौन-सी है?

(ङ) इतने वर्षों ..... न जाने कितने शरारती और बदतमीज़ लड़कों की अकल ठिकाने लगाई है।

(च) वे कुरसी ..... बैठ गए।

(छ) स्वामी विवेकानंद जी ..... जन्म 12 जनवरी, 1863 को हुआ था।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) आज सारे बच्चे चुप क्यों थे?

(ख) बछड़ा कैसा था?

(ग) जो बच्चे कॉपी नहीं लाए थे, उन्हें क्या सज़ा मिली?

(घ) वेणुगोपाल जी ने नरेंद्र से क्या पूछा?

(ङ) वेणुगोपाल जी को अंत में किस बात की खुशी हुई?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) स्वामी विवेकानंद की जीवनी पर एक परिच्छेद लिखिए।

(ख) 'सत्य की हमेशा जीत होती है।' इस विषय पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(मूल्यपरक प्रश्न)

भाषा ज्ञान

1. पढ़िए, समझिए और लिखिए–

- सभी का ध्यान उस ओर चला गया।
- उन्होंने नज़रें उठाकर नरेंद्र को देखा और मुसकरा उठे।

निम्नलिखित वाक्यों में 'ओर' या 'और' का प्रयोग कीजिए–

(क) मोहन ..... सोहन पढ़ रहे हैं।

(ख) पढ़ने के बाद वे घर की ..... जा रहे हैं।

(ग) वे घर जाकर खाना खाते हैं ..... सो जाते हैं।

(घ) सुबह उठकर वे बगीचे की ..... जाते हैं।

2. 'आग' शब्द का अर्थ है 'अग्नि', परंतु अलग-अलग वाक्यों में प्रयोग होने पर इसके अर्थ में बदलाव आ जाता है; जैसे–मौसम के लिए 'आग' शब्द का प्रयोग करें, तो

इसका अर्थ 'गरमी' होता है और अगर 'अध्यापक आग-बबूला हो उठे' इस वाक्य को देखें, तो इसका अर्थ 'गुस्सा' होता है।

आप भी 'आग' शब्द से संबंधित मुहावरों द्वारा निम्नलिखित वाक्यों को पूरा कीजिए–

(क) आज तो ..... रही है।

(ख) रामू की करतूत सुनते ही उसके तन-बदन में ..... ।

(ग) उसकी आँखों से ..... बरसने लगे।

3. ऊँचे स्वर में पढ़िए और समझिए–

रु = र् + उ	गुरु	रुपया	रुचि	रुई	रुक
रू = र् + ऊ	शुरू	स्वरूप	रूप	रूमाल	रूखा

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

1. आपका स्वभाव कैसा है? सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–

उग्र	☐	सरल	☐
कोमल	☐	तेज़-तर्रार	☐
सनकी	☐	दब्बू	☐

2. यदि नरेंद्र के स्थान पर यह कॉपी आपकी होती, तो आप अध्यापक को क्या जवाब देते?

क्रियाकलाप

- नरेंद्र और उसके दोस्त को कंचे खेलने का शौक था। आप भी कई प्रकार के खेल खेलते होंगे। निम्नलिखित सामान किस खेल से जुड़े हैं? लिखिए।

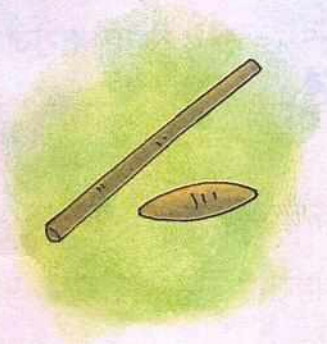

जैसे– ..... गुल्ली-डंडा .....

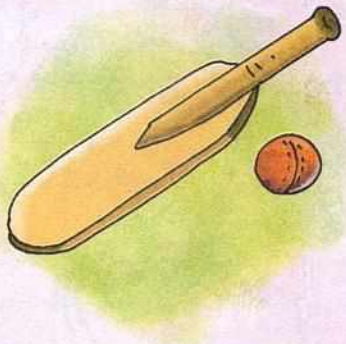

.....

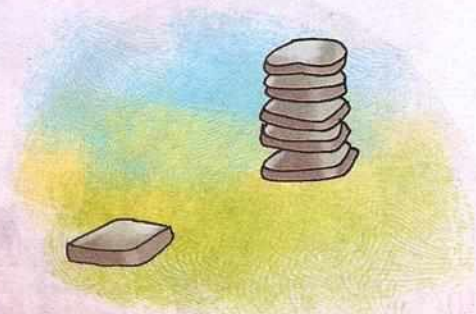

.....

.....

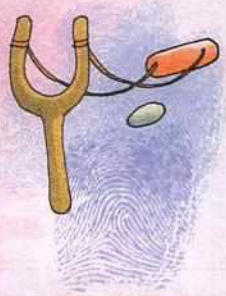

.....

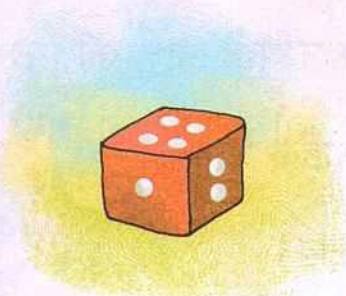

.....

अतिरिक्त पठन

संतवाणी

कबीर संगति साधु की, बेगि करीजै जाइ।
दुरमति दूरि गंवाइसी, देसी सुमति बताइ।।

कबिरा गर्व न कीजिए, काल गहे कर केस।
न जानो कित मारिहे, क्या घर क्या परदेस।।

–कबीर

जे गरीब पर हित करैं, ते रहिम बड़ लोग।
कहाँ सुदामा बापुरो, कृष्ण मिताई जोग।।

बिगरी बात बनै नहीं, लाख करौ किन कोय।
रहिमन फाटे दूध को, मथे न माखन होय।।

तरुवर फल नहिं खात है, सरवर पियहिं न पान।
कहि रहीम पर काज हित, संपति संचहि सुजान।।

जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ग्यान।
मोल करो तलवार का, पड़ा रहन दो म्यान।।

–रहीम

अध्यापन-संकेत–वर्ग में इन दोहों का सस्वर वाचन/गायन करवाएँ तथा इन संत कवियों की जीवनी से छात्रों को अवगत कराएँ।

गतिविधि-8

दोहे

इन दोहों को पूर्ण कीजिए–

1. तुलसी मीठे ..... वचन कठोर।

2. आवत ही ..... मेह।

3. राम नाम ..... उजियार।

4. जाको ..... होय।

5. जाति न पूछो ..... म्यान।

अध्यापन-संकेत–तुलसीदास जी के दोहों को लिखने के लिए कहें। तुलसीदास, कबीरदास जी की चर्चा वर्ग में करें।

14 इनसे सीखो

चिंतन-मनन

(महान लोगों की जीवनियाँ साधारण मनुष्य के लिए मार्गदर्शक बनती हैं। उनकी जीवन शैली अनुकरणीय बनती है। इस पाठ में कुछ असाधारण लोगों के जीवन की घटनाएँ दी गई हैं। इन घटनाओं से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं।)

स्वतंत्रता संग्राम में कई लोगों ने अपनी जान की बाज़ी लगा दी। कुछ लोगों के नाम इतिहास के पन्नों पर हैं, तो कुछ लोगों के नाम नहीं हैं पर उनका कार्य प्रशंसनीय है। अंग्रेज़ सरकार के विरुद्ध आवाज़ उठाने वाले कई क्रांतिकारियों को फाँसी पर चढ़ाया गया था। राजेंद्र लाहिड़ी, रोशन सिंह, अशफ़ाक उल्ला और रामप्रसाद बिस्मिल भी उन्हीं क्रांतिकारियों में से थे।

रामप्रसाद बिस्मिल को फाँसी से पहले उनकी माँ उनसे मिलने गोरखपुर जेल पहुँचीं। माँ को देख बिस्मिल की आँखें भर आईं। माँ ने बिस्मिल के सिर पर हाथ फेरते हुए कहा–"बेटा! तुमसे तो अंग्रेज़ सरकार भी थर-थर काँपती है, उनकी बोलती बंद

शब्दार्थ–संग्राम–युद्ध (battle)

होती है लेकिन तुम जैसे बहादुर की आँखों में आँसू?'' तब बिस्मिल ने कहा–''माँ! मैं मौत से नहीं डरता, पर दुख इस बात का है कि अब मैं तुम जैसी महान जननी के दर्शन न कर पाऊँगा।'' तब माँ ने दृढ़ता से कहा–''बेटा! तू तो धरती माँ की आज़ादी के लिए प्राण दे रहा है। मैं तो छोटी माँ हूँ, तू अब बड़ी माँ की गोद में जा रहा है। मुझे तुम जैसे बेटे पर गर्व है। तेरी कुर्बानी अवश्य रंग लाएगी।'' वीर माता ने बेटे के मन में जोश की ज्वाला को और भी बढ़ावा दिया। ऐसे महान लोगों की बलि रंग लाई और भारत की बेड़ियाँ टूटीं। महान है वह वीरपुत्र और वीरमाता।

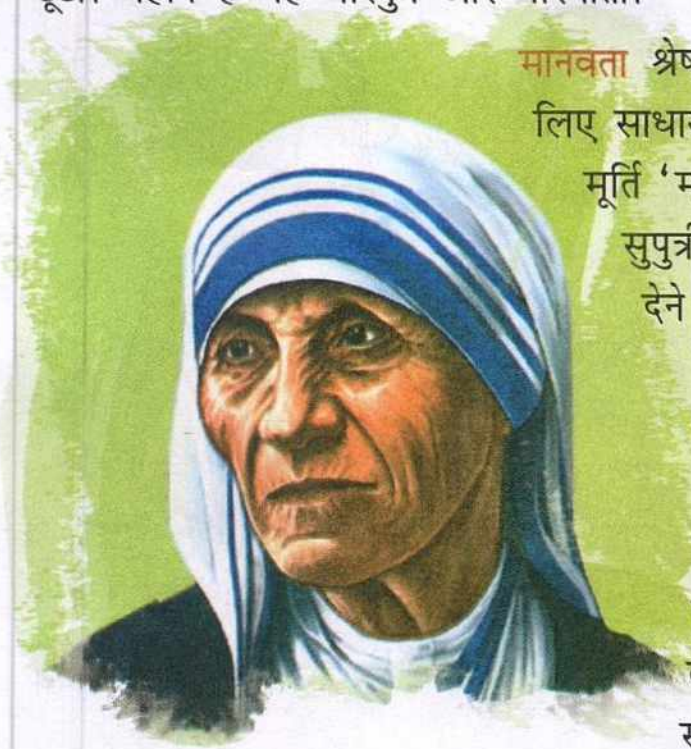

मानवता श्रेष्ठ धर्म है। मानवता को निभाना हर एक के लिए साधारण बात नहीं होती लेकिन मानवता की महान मूर्ति 'मदर टेरेसा' विदेशी होकर भी भारत माता की सुपुत्री बनीं। मदर टेरेसा में असंभव को संभव कर देने की शक्ति थी। उनका एक ही लक्ष्य था– दीन-दुखियों की सेवा करना और बुझे दिल में आशा का दीपक जलाना। प्रधानाचार्या का काम छोड़कर, जेब में पाँच रुपये की राशि लेकर तथा हाथ में बाइबिल लेकर वे अपने लक्ष्य की ओर बढ़ती गईं। 'निर्मल हृदय होम' की स्थापना कर उन्होंने सबको ईश्वर की संतान मानकर उनकी सेवा की। 'निर्मल हृदय शिशु भवन', 'निर्मल शिशु भवन', 'प्रेम निवास' की स्थापना कर दीन-दुखियों की सेवा की। भारत ही नहीं अपितु देश-विदेश में भी इन केंद्रों की शाखाएँ हैं। ममता की मूर्ति मदर टेरेसा को 'संत' का दर्ज़ा दिया गया। 'मानव सेवा ही माधव सेवा है' यही उनका मूलमंत्र था।

सत्य और अहिंसा के बल पर देश को स्वतंत्रता दिलाने वालों में महात्मा गांधी जी का नाम अग्रणी है। वे सादगी, सरलता एवं अपना काम स्वयं करने में विश्वास रखते थे। ज़रूरत से ज़्यादा वस्तुओं का संग्रह करने में वे विश्वास नहीं रखते थे।

शब्दार्थ–कुर्बानी–मर मिटना (sacrifice), **मानवता**–मानवीय गुण (humanity), **अहिंसा**–हिंसा न करना, किसी प्राणी को न मारना (non-violence)

एक बार वे किसी पाठशाला में गए। बच्चों के साथ बातचीत करने लगे। बाहर बहुत ठंड थी, ठंड से शरीर ठिठुर रहा था। बच्चों ने गरम कपड़े पहने हुए थे। पर गांधी जी ने हमेशा की तरह सिर्फ़ धोती पहन रखी थी।

उस समय एक छोटी बालिका उनके पास आई और उसने गांधी जी से पूछा–"क्या आपको ठंड नहीं लगती?" गांधी जी मुसकराए, उन्होंने कहा, "हाँ, ठंड तो लगती है।" अबोध बालिका ने कहा कि उसके पास बहुत-से गरम कपड़े हैं, वह उन्हें गांधी जी को दे देगी। तब गांधी जी ने कहा, "तुम मुझे गरम कपड़े दोगी तो सिर्फ़ मेरी ठंड जाएगी, पर भारत में कई ऐसे लोग हैं जिनके पास पहनने के लिए कपड़े नहीं हैं। उनके लिए क्या करोगी?"

इस प्रकार गांधी जी दीन-दुखियों के दर्द का अनुभव करते थे। स्वतंत्रता प्राप्ति में तो उन्होंने योगदान दिया ही, साथ ही दूसरों का दुख-दर्द दूर करने में भी वे सदैव आगे रहते थे।

शब्दार्थ–अबोध–भोला-भाला (innocent)

जीवन-सूत्र

- स्वराज्य हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है। *–लोकमान्य तिलक*
- परोपकारी अपने कष्ट को नहीं देखता, क्योंकि उसका हृदय दूसरों के कष्टों से जाग्रत करुणा से भरा होता है।

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

संग्राम दृढ़ता कुर्बानी स्थापना अग्रणी

मंत्र प्रशंसनीय लक्ष्य स्वतंत्रता

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–

(क) किन्हें फाँसी पर चढ़ाया गया था?

(ख) कुछ क्रांतिकारियों के नाम बताइए।

(ग) मानवता की महान मूर्ति किसे कहा गया?

(घ) मदर टेरेसा को कौन-सा दर्ज़ा दिया गया?

(ङ) गांधी जी किस-किस में विश्वास रखते थे?

लिखित

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) कुछ लोगों के नाम ..... के पन्नों पर नहीं है।

(ख) रामप्रसाद बिस्मिल को ..... के जेल में रखा गया था।

(ग) ..... मानवता की महान मूर्ति थीं।

(घ) प्रधानाचार्या का काम छोड़कर सिर्फ़ ..... रुपये की धनराशि लेकर तथा हाथ में ..... लेकर मदर टेरेसा लक्ष्य की ओर बढ़ीं।

(ङ) बालिका ने पूछा, "आपको ..... नहीं लगती।"

(च) गांधी जी ..... के दर्द का अनुभव करते थे।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) क्रांतिकारियों ने किनके विरुद्ध आवाज़ उठाई?

(ख) रामप्रसाद बिस्मिल फाँसी से पहले किससे मिले थे?

(ग) मदर टेरेसा का लक्ष्य क्या था?

(घ) गांधी जी ने किसके बल पर देश को स्वतंत्रता दिलाई?

(ङ) गांधी जी ने कम कपड़े क्यों पहने थे?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) कौन-सा धर्म श्रेष्ठ है?

(ख) 'कार्यों और गुणों से मानव महान बनता है।' आपस में चर्चा करके लिखिए।

(मूल्यपरक प्रश्न)

भाषा ज्ञान

1. मुहावरों और लोकोक्तियों को अलग छाँटकर लिखिए–

आ बैल मुझे मार, आग-बबूला होना, फूला न समाना, दूर के ढोल सुहावने, कहाँ राजा भोज कहाँ गंगू तेली, जो गरज़ते हैं वे बरसते नहीं, आँख का तारा, आपे से बाहर होना

मुहावरे	लोकोक्तियाँ
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

2. लोक में प्रचलित वे कथन जो लोगों के अनुभव पर आधारित हों, उन्हें लोकोक्ति कहते हैं। लोकोक्ति में लोक जीवन के अनुभव का समावेश होता है। कुछ उदाहरण पढ़िए–

- अँधेर नगरी चौपट राजा – जैसा राजा वैसी प्रजा।
- खोदा पहाड़ निकली चुहिया – प्रयत्न अधिक लाभ कम।
- दूध का दूध पानी का पानी – ठीक न्याय देना।
- नाच न जाने आँगन टेढ़ा – अपनी कमी छिपाने के लिए बहाने बनाना।

निम्नलिखित लोकोक्तियों को जोड़कर लिखिए–

(क) जिसकी लाठी	दो आँखें
(ख) चिराग तले	वे बरसते नहीं
(ग) अधजल गगरी	अँधेरा
(घ) डूबते को	उसकी भैंस
(ङ) अंधा क्या माँगे	छलकत जाय
(च) जो गरज़ते हैं	तिनके का सहारा

....

....

....

....

....

....

3. पाठ में आए मुहावरों की सूची बनाइए–

जैसे–.....जान की बाज़ी लगाना.....।

....

....

....

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

- ए०पी०जे० अब्दुल कलाम भारत के पूर्व राष्ट्रपति थे। इनकी जीवन गाथा भी छात्रों के लिए प्रेरणाप्रद है। इनकी चर्चा वर्ग में करके इनसे संबंधित किसी घटना की चर्चा कीजिए।

क्रियाकलाप

1. मदर टेरेसा, स्वामी विवेकानंद जैसे महान लोगों के चित्रों का संग्रह करके अपनी कॉपी में लगाइए।
2. आप अपने आस-पास रहने वाले लोगों से क्या-क्या सीख सकते हैं? कक्षा में चर्चा कीजिए।

ये भी जानें

जानें, इनके हिंदी में नाम

डॉक्टर – Doctor – चिकित्सक

इंजीनियर – Engineer – अभियंता

लॉयर – Lawyer – अधिवक्ता

एडीटर – Editor – संपादक

रिपोर्टर – Reporter – संवाददाता

प्रिंसिपल – Principal – प्रधानाचार्य

टीचर – Teacher – अध्यापक

1

परियोजना पन्ना

शब्दमाला

उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित शब्दों की शब्दमाला बनाइए–

घर – माता-पिता – बच्चे – बड़े-बुज़ुर्ग

पाठशाला – ....

देवालय – ....

जंगल – ....

पुस्तक – ....

अखबार – ....

अध्यापन-संकेत–उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों की शब्दमाला बनाएँ, हो सके तो चित्रों का समावेश करें।

परियोजना पत्र 2

अपठित गद्यांश

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

गोपाल कृष्ण गोखले बचपन से ही सत्यवादी थे। एक बार उनके शिक्षक ने एक प्रश्न हल करने को दिया। दूसरे दिन जब गृहकार्य देखा गया तो सभी के उत्तर गलत थे। केवल गोपाल ने ही प्रश्न का सही उत्तर लिखा था। शिक्षक ने गोपाल को शाबाशी दी और सबके सामने उसकी प्रशंसा करने लगे। गोपाल ने उन्हें रोकते हुए रुँधे हुए गले से कहा–"गुरु जी, मैं इस प्रशंसा का अधिकारी नहीं हूँ। प्रश्न तो मेरे बड़े भाई ने हल किया है। इसलिए शाबाशी मुझे नहीं मिलनी चाहिए।" शिक्षक यह सुनकर बहुत प्रसन्न हुए और बोले, "इसमें रोने की बात नहीं है। तुमने सच बोला है इसलिए यह पुस्तक मैं तुम्हें पुरस्कार में देता हूँ। यह तुम्हें सदा सत्य बोलने को प्रेरित करती रहेगी।"

(क) गोपाल कृष्ण गोखले में क्या गुण थे?

.....

(ख) गोपाल का गृहकार्य देखकर शिक्षक ने क्या किया?

.....

(ग) शिक्षक से अपनी प्रशंसा सुनकर गोपाल ने क्या किया?

.....

(घ) शिक्षक ने गोपाल को पुरस्कार में क्या दिया और क्यों?

.....

(ङ) गद्यांश का कोई अच्छा-सा शीर्षक लिखिए।

.....

(च) गद्यांश में आए कोई पाँच संज्ञा शब्द छाँटकर लिखिए।

.....

3

परियोजना पन्ना

पत्र-लेखन

अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को तीन दिन के अवकाश के लिए पत्र लिखिए–

..... (भेजने वाले का पता)

.....

सेवा में,

..... (पत्र पाने वाले का पता)

.....

विषयः तीन दिन के अवकाश के लिए पत्र।

महोदय, (संबोधन)

अपना परिचय .....

.....

(विषय-विस्तार) .....

.....

.....

धन्यवाद सहित। (समापन)

आपका/आपकी आज्ञाकारी छात्र/छात्रा

..... (पत्र भेजने वाले का नाम)

अध्यापन-संकेत–छात्रों को नए-नए विषयों के पत्र लिखवाएँ।

परियोजना पन्ना 4

अनुच्छेद-लेखन

संकेत बिंदुओं के आधार पर छोटा-सा अनुच्छेद लिखिए और उचित शीर्षक दीजिए–

संकेत बिंदु–

• मेरा घर गणेश नगर में • पड़ोस में मोहन चाचा और चाची • उनके दो बच्चे रिंकू और टिंकू एक ही पाठशाला में • एक साथ खेलते, कूदते तथा पढ़ते • मैं बीमार • सभी परेशान • परीक्षा आई • रिंकू, टिंकू ने मदद की • चाचा-चाची ने माता-पिता की मदद की • अच्छे पड़ोसी • तबीयत ठीक हो गई • फिर स्कूल वापस गया।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

अध्यापन-संकेत–यहाँ 'अच्छे पड़ोसी' विषय पर संकेत बिंदु दिए गए हैं। बच्चों को वाक्यों के माध्यम से अपने विचारों को प्रकट करने की कला को विकसित करना सिखाएँ।

5 परियोजना पन्ना

कहानी-लेखन

नीचे दिए गए चित्रों को देखकर अपनी कल्पना से एक कहानी लिखिए-

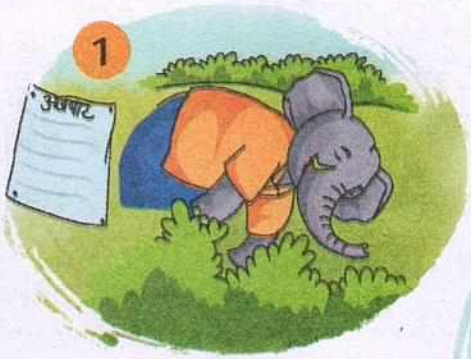

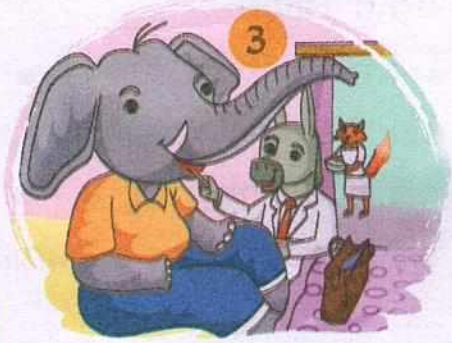

अध्यापन-संकेत-छात्रों को नए-नए विषयों पर कहानी लिखवाएँ।

लिखो तो जानें...

इस चित्र पर कोई मज़ेदार कहानी या कविता बनाकर लिखिए–

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)

- सुनी अथवा पढ़ी रचनाओं (हास्य, साहसिक, सामाजिक आदि विषयों पर आधारित कहानी, कविता आदि) की विषय-वस्तु, घटनाओं, चित्रों और पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं/अपनी स्वतंत्र टिप्पणी देते हैं/अपनी बात के लिए तर्क देते हैं/निष्कर्ष निकालते हैं।
- अपने आस-पास घटने वाली विभिन्न घटनाओं की बारीकियों पर ध्यान देते हुए उन पर मौखिक रूप से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/प्रश्न पूछते हैं।
- भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी (मौखिक) भाषा गढ़ते हैं।
- विविध प्रकार की सामग्री (अखबार, बाल साहित्य, पोस्टर आदि) में आए संवेदनशील बिंदुओं पर (मौखिक/लिखित) अभिव्यक्ति करते हैं, जैसे– 'ईदगाह' कहानी पढ़ने के बाद बच्चा कहता है–मैं भी अपनी दादी की खाना बनाने में मदद करता हूँ।
- विभिन्न स्थितियों और उद्देश्यों (बुलेटिन पर लगाई जाने वाली सूचना, कार्यक्रम की रिपोर्ट, जानकारी आदि प्राप्त करने) के लिए पढ़ते और लिखते हैं।
- अपनी पाठ्यपुस्तक से इतर सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझते हुए पढ़ते और उसके बारे में बताते हैं।
- अपरिचित शब्दों के अर्थ शब्दकोश से खोजते हैं।
- स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत लेखन की प्रक्रिया की बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जाँचते हैं और लेखन के उद्देश्य और पाठक के अनुसार लेखन में बदलाव करते हैं, जैसे–किसी घटना की जानाकरी के बारे में बताने के लिए स्कूल की भित्ति पत्रिका के लिए लिखना और किसी दोस्त को पत्र लिखना।
- भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते हैं और उसे अपने लेखन/ब्रेल में शामिल करते हैं।
- भाषा की व्याकरणिक इकाइयों (जैसे–कारक-चिह्न, क्रिया, काल, विलोम आदि) की पहचान करते हैं और उनके प्रति सचेत रहते हुए लिखते हैं।
- विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विराम-चिह्नों, जैसे–पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक चिह्न, उद्धरण चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं।
- स्तरानुसार अन्य विषयों, व्यवसायों, कलाओं आदि (जैसे, गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, नृत्यकला, चिकित्सा आदि) में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली को समझते हैं और संदर्भ एवं स्थिति के अनुसार उनका लेखन में इस्तेमाल करते हैं।
- अपने आस-पास घटने वाली विभिन्न घटनाओं की बारीकियों पर ध्यान देते हुए उन पर लिखित रूप से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।
- उद्देश्य और संदर्भ के अनुसार शब्दों, वाक्यों, विराम-चिह्नों का उचित प्रयोग करते हुए लिखते हैं।
- पाठ्यपुस्तक और उससे इतर सामग्री में आए संवेदनशील बिंदुओं पर लिखित/ब्रेल लिपि में अभिव्यक्ति करते हैं।
- अपनी कल्पना से कहानी, कविता, पत्र आदि लिखते हैं। कविता, कहानी को आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं।